सुविचार

"अगर कभी एक दिन ऐसा आए जब हम साथ न रह पाएं, तो मुझे अपने हृदय में रखना, और मैं वहां सदा के लिए टिका रहूंगा।"
- विनी द पूह

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-144, भोपाल गुरुवार 07 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

अमलीडीह में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में हुई सभा के बाद मीडिया से की बात

खैरागढ़ में बोले केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, कांग्रेस को चुनाव हारने का डर

राजनांदगांव। खैरागढ़ में 12 अप्रैल को होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और भाजपा दोनों ?पार्टियां मतदाताओं को लुभाने में जुटी है। इसी क्रम में बुधवार को केंद्रीय खाद्य, उद्योग एवं जलशक्ति राज्यमंत्री प्रहलाद सिंह पटेल खैरागढ़ विधानसभा क्षेत्र के अमलीडीह कला ग्राम पहुंचे। यहां उन्होंने आम सभा को संबोधित किया। इस दौरान मंत्री पटेल ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मैं पार्टी का आभारी हूं कि पार्टी ने मुझे स्टार प्रचारक के रूप में यहां आने का मौका दिया, मैं मानता हूं कि साढ़े 3 साल में राज्य सरकार कि जो विफलता है उस का पैमाना तय होगा। इसके अलावा उन्होंने भाजपा प्रत्याशी कोमल जंघेल के बारे में कहा कि यह हमारे बहुत अच्छे उम्मीदवार हैं, उनको विजय मिलेगी। कांग्रेस का पाखंड बेनकाब करना यह ज्यादा जरूरी है। पिछले साढे 3 सालों में कांग्रेस ने ऐसा कोई भी काम नहीं किया जिससे हर बार वह यहां वोट मांग पाए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि साढ़े 3 सालों में उन्हें किसने रोका था, यह जवाब उन्हें देना चाहिए। खैरागढ़ को जिला बनना चाहिए लेकिन कांग्रेस ने भयभीत होकर घोषणा की है, साढ़े 3 साल तक घोषणा क्यों नहीं की गई। वहीं धान खरीदी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि राज्य को दिवालिया करने पर आमदा है। कांग्रेस को केंद्र सरकार से जल जीवन मिशन के तहत 1,431 करोड़ रुपए छत्तीसगढ़ को दिया गया है। इस दौरान पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व मंत्री प्रेम प्रकाश पांडे के साथ भाजपा के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केंद्रीय खाद्य, उद्योग एवं जल शक्ति राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। धान खरीदी के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस उसे 2500 से 2800 रुपए कर रही है। पहले तो रुपए केंद्र ने भेजे हैं, उसका सही इस्तेमाल करे। कहा कि छत्तीसगढ़ को कांग्रेस दिवालिया करने पर आमादा है।

राज्य पर कर्ज बढ़ता जा रहा है, लेकिन थाली खाली है। फिलहाल धान बोनस पर दिए उनके बयान के बाद राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने भी इस पर पलटवार किया है। खैरागढ़ के अमलीडीह में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में हुई सभा के बाद मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने जल शक्ति मिशन में 1431 करोड़ रुपए दिए, लेकिन जनता पर उसकी छीटें तक नहीं पड़ी। कहा कि हम तो चौकीदार हैं। कांग्रेस का पाखंड बेनकाब करना यह ज्यादा जरूरी है। पिछले साढ़े 3 सालों में कांग्रेस ने ऐसा कोई भी काम नहीं किया, जिससे हर बार वह यहां वोट मांग पाए। मैं मानता हूं कि राज्य सरकार कि जो विफलता है उस का पैमाना तय होगा।

केजरीवाल ने सात मिनट में जनता के सामने रखा विजन, बोले- अब अच्छी नींद आएगी

धर्मशाला। आम आदमी पार्टी ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के गृह जिला मंडी में रोड शो के साथ चुनावी शंखनाद कर दिया। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। अरविंद केजरीवाल ने सात मिनट के भाषण में अपना विजन लोगों के सामने रख दिया। केजरीवाल ने दिल्ली माडल और भ्रष्टाचार खत्म करने पर जोर दिया व पंजाब का उदाहरण दिया।

अरविंद केजरीवाल लोगों की भीड़ देखकर खुश हो गए। केजरीवाल ने कहा आपने दिल खुश कर दिया, उम्मीद नहीं थी, इतनी भीड़ होगी। अब तो अच्छी नींद आएगी। केजरीवाल ने कहा हमें राजनीति नहीं आती, हम आपकी तरह आम आदमी हैं। हमें तो स्कूल और अस्पताल बनाने आते हैं। पंजाब में अब कोई एक पैसा तक नहीं मांग सकता। बीस दिन के अंदर ही आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने भ्रष्टाचार का खात्मा कर दिया है। दिल्ली और पंजाब के बाद अब हिमाचल प्रदेश की बारी है। दोनों राज्यों का रिकार्ड टूटेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा अंग्रेजों की गुलामी के बाद प्रदेश में पांच-पांच साल की कांग्रेस व भाजपा की गुलामी समाप्त होगी।

भाजपा स्थापना दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी के निशाने पर विपक्षः बोले

देश में आज दो तरह की राजनीति, एक परिवार भक्ति की और एक राष्ट्र भक्ति की

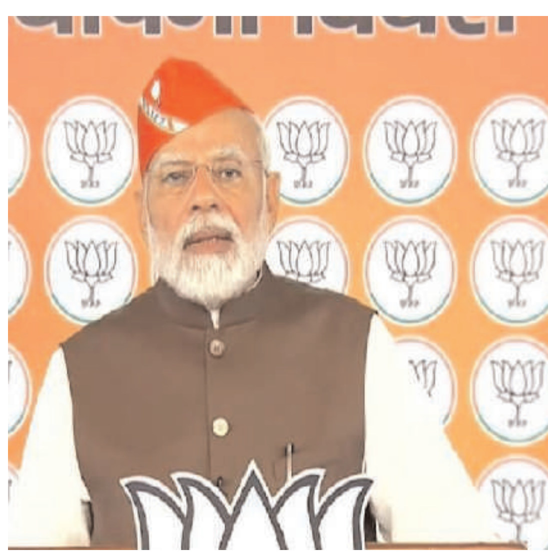

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के 42वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मोदी ने अपनी वर्चुअल स्पीच में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आजादी के अमृत महोत्सव को कर्तव्यकाल में बदल दें। इस मौके पर उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। मोदी ने कहा कि आज देश में दो तरह की राजनीति चल रही है। एक परिवार भक्ति की और एक राष्ट्र भक्ति की।

मोदी ने हाल ही में 5 राज्यों में हुए चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- 4 राज्यों में भाजपा सरकार की वापसी से कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। स्पीच की शुरुआत में उन्होंने आज के दिन को नवरात्रि से जोड़ा और कहा कि स्कंदमाता का आशीर्वाद हमेशा पार्टी और कार्यकर्ताओं पर बना रहे।

स्थापना दिवस के अहम होने के कारण बताए

मोदी ने कहा- जनसंघ से लेकर भाजपा तक पार्टी के निर्माण में खुद को खपाने वाले महापुरुषों को नमन करता हूं। आज का स्थापना दिवस तीन वजहों से अहम है। इस समय हम देश की आजादी के 75 साल का जश्न मना रहे हैं। ये प्रेरणा का बहुत बड़ा अवसर है। दूसरा- तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां। तीसरा- 4 राज्यों में भाजपा के डबल इंजिन की सरकार वापस लौटी। तीन दशक बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंची है।

अमृतकाल भाजपा कार्यकर्ता के लिए कर्तव्य काल है

प्रधानमंत्री बोले कि भाजपा का दायित्व, कार्यकर्ताओं का दायित्व लगातार बढ़ रहा है। इसलिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देश के सपनों का प्रतिनिधि है। इस अमृतकाल में भारत की सोच आत्मनिर्भरता की है। लोकल को ग्लोबल बनाने की है। सामाजिक न्याय की है। समरसता की है। इन्हीं संकल्पों को लेकर विचार के रूप में हमारी पार्टी की स्थापना हुई। ये अमृतकाल हमारे कार्यकर्ता के लिए कर्तव्य काल है। हमें देश के संकल्पों के साथ निरंतर जुड़े रहना है और खुद को खपा देना है।

हमें मनावता की बात करने वाले देश के तौर पर देखा जा रहा

पीएम ने कहा- एक समय था जब लोगों ने मान लिया था कि सरकार किसी की भी आए, लेकिन देश का कुछ नहीं हो पाएगा। निराशा ही निराशा थी। देश का एक-एक जन गर्व से यह कह रहा है कि देश बदल रहा है। तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया के सामने एक ऐसा भारत है, जो बिना किसी डर या दबाव के अपने हितों के लिए अडिग रहता है। जब पूरी दुनिया दो विरोधी ध्रुवों में बंटी हो, तब भारत को एक देश के रूप में देखा जा रहा है, जो दृढ़ता के साथ मानवता की बात कर सकता है।

आज देश के पास निर्णय शक्ति और निश्चय शक्ति भी उन्होंने कहा कि आज देश के पास निर्णय शक्ति और निश्चय शक्ति भी है। आज हम लक्ष्य तय कर रहे हैं और उन्हें पूरा भी कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही देश ने 400 बिलियन डॉलर यानी 30 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा उत्पादों पर एक्सपोर्ट का टारगेट पूरा किया है। कोरोना काल में ये टारगेट पूरा करना भारत के सामर्थ्य को दिखाता है। भारत कोरोना की लड़ाई को संसाधनों से लड़ रहा है, लगातार जीतने का प्रयास कर रहा है। आज भारत 180 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज देने वाला देश है। इतने मुश्किल समय में भारत 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन दे रहा है।

हमारी सरकार राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए काम कर रही है। आज देश के पास नीतियां भी हैं, नियत भी है। आज देश के पास निर्णयशक्ति भी है, और निश्चयशक्ति भी है। इसलिए, आज हम लक्ष्य तय कर रहे हैं, उन्हें पूरा भी कर रहे हैं।

श्रीलंका में पांच दिन बाद आधी रात को हटी इमरजेंसी सरकार ने आपातकाल लगाने का बचाव किया

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में बिगड़ते हालाते के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मंगलवार की आधी रात को इमरजेंसी हटाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने 1 अप्रैल को ही देश में इमरजेंसी लगाने का फैसला किया था। इसके बाद से ही उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा था। लगातार गहराते आर्थिक संकट के बीच देशभर में चीन के खिलाफ भी लोगों को गुस्सा बढ़ता जा रहा है। इस बीच यहां कि सरकार ने देश में हिंसा के पीछे विपक्षी दल जनता विमुक्ति पेरामुनावास पार्टी का हाथ होने का दावा किया। श्रीलंकाई सरकार के मंत्री जॉनसन फर्नांडो ने कहा कि विपक्ष को ठग पॉलिटिक्स की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

सरकार ने आपातकाल लागू करने के राष्ट्रपति के फैसले का भी बचाव किया। कहा गया कि राष्ट्रपति कार्यालय और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों पर हमले के बाद इमरजेंसी लगाई गई। सरकारी आदेश के मुताबिक इमरजेंसी अध्यादेश 5 अप्रैल को आधी रात में रद्द कर दिया गया। श्रीलंका ने नॉर्वे, इराक और ऑस्ट्रेलिया में विदेशी दूतावास अस्थायी रूप से बंद कर दिए। श्रीलंका के पूर्व वित्त अधिकारी नंदलाल वीरसिंघे 7 अप्रैल को सेंट्रल बैंक गवर्नर का पद संभालेंगे। आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में पिछले महीने से ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। मार्च में विपक्षी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना के प्रोटेस्ट में हजारों लोग शामिल हुए थे। आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में पिछले महीने से ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। मार्च में विपक्षी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना के प्रोटेस्ट में हजारों लोग शामिल हुए थे।

श्रीलंकाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के पास पैसा नहीं है, क्योंकि उसने चीन को सब कुछ बेच दिया है। चीन दूसरे देशों को उधार देकर उनका सब कुछ खरीद ले रहा है। श्रीलंकाई सेना ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सेना ने मंगलवार को एक बयान जारी कर कहा, विरोध के नाम पर हिंसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रीलंका के रक्षा सचिव, जनरल (रिटायर्ड) कमल गुणरत्ने ने लोगों से हिंसा से दूर रहने की अपील की।

एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने पीएम मोदी से की मुलाकात, संजय राउत को लेकर की बात

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच तेज करने को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। शरद पवार करीब 20 मिनट तक संसद में प्रधानमंत्री कार्यालय में मोदी के साथ रहे। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद शरद पवार ने दिल्ली में कहा कि मैंने (ईडी) द्वारा शिवसेना के नेता संजय राउत की संपत्तियों को कुर्क करने के मामले को पीएम के संज्ञान में लाया। अगर कोई केंद्रीय एजेंसी इस तरह का कदम उठाती है, तो उन्हें इसकी जिम्मेदारी लेनी होगी। उनके खिलाफ यह कार्रवाई इसलिए की गई, क्योंकि वह सरकार के खिलाफ बोलते हैं।

महाराष्ट्र में एमवीए सरकार पर शरद पवार ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि वे किसी को उपेक्षित या दरकिनार महसूस न कराएं। जब हम बैठकर बात करते हैं तो ऐसा कोई मामला नहीं उठाया जाता है। एनसीपी नेता शरद पवार ने यूपीए के नेतृत्व के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मैंने कई बार कहा है कि मुझे यह जिम्मेदारी लेने में कोई दिलचस्पी नहीं है। इस मौके पर शरद पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में अगले विधानसभा चुनाव के बाद महा विकास अघाड़ी सत्ता में वापस आएगी। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान शरद पवार ने लक्षदीप का मुद्दा उठाया, कहा राज्य और केंद्र सरकार के जमीन अधिग्रहण के मुद्दे से स्थानीय लोग परेशान है। गौरतलब है कि शरद पवार की पीएम मोदी के साथ यह बैठक ऐसे दिन हुई है, जब सीबीआइ ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को हिरासत में लिया है। देशमुख को सीबीआइ टीम ने मध्य मुंबई के आर्थर रोड जेल से हिरासत में लिया और मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया।

बुरे काम का बुरा फल

आंध्र प्रदेश में चोर ने मंदिर से गहने चुराने के लिए दीवार में छेद किया, पर खुद ही उसमें फंस गया

हैदराबाद, एजेंसी। कहते हैं कि बुरे कर्मों का फल बुरा ही होता है। आंध्र प्रदेश में यह बात सच साबित हो गई। यहां एक चोर ने मंदिर से गहने चुराने के लिए दीवार में छेद किया, लेकिन वह खुद ही उसमें फंस गया। उसे रंगे हाथों तब पकड़ा गया, जब उसने मदद के लिए लोगों को बुलाया। पापा राव नाम का चोर आंध्र के तटीय जिले श्रीकाकुलम के जामी येलम्मा मंदिर की खिड़की तोड़कर अंदर घुसा और भगवान की मूर्तियों पर चढ़ाए गए आभूषणों को चुरा लिया। उसने बाहर निकलने के लिए दीवार में छेद किया, लेकिन वह आधे में ही छेद में फंस गया। जब कई घंटों के बाद भी वह नहीं निकल पाया तो उसने रो-रोकर लोगों को मदद के लिए बुलाना शुरू किया। इसके बाद वहां गांव वाले जमा हो गए। लोगों ने उसे छेद से बाहर निकालकर पुलिस के हवाले कर दिया।

डोनेशन बॉक्स में फंस गया चोर का हाथः ऐसा ही एक वाकया छत्तीसगढ़ के कोरबा में पिछले साल अप्रैल में हुआ था, जब दो चोर श्री सिद्ध वटेश्वर हनुमान शनि मंदिर में चोरी करने गए। वे ताला तोड़कर अंदर घुसे और डोनेशन बॉक्स से पैसा चुराने की कोशिश करने लगे, तभी एक चोर का हाथ बॉक्स के अंदर फंस गया। मंदिर के पुजारी ने अगली सुबह उसे देखा और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

चोरी की रकम देखकर चोर को आया हार्ट अटैक

पिछले साल अप्रैल में ही उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक चोर को चोरी की रकम देखकर हार्ट अटैक आ गया। उसने अपने दोस्त के साथ मिलकर एक सर्विस सेंटर में चोरी की थी, जहां से दोनों ने 7 लाख रुपए चुराए। दोनों को लगा था कि उनके हाथ सिर्फ कुछ हजार रुपए लगेंगे, लेकिन जब उन्होंने अपनी आंखों के सामने लाखों रुपए देखे तो एक चोर को हार्ट अटैक आ गया। चोरी की बड़ी रकम उसके इलाज में लग गई। बाद में दोनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पाकिस्तान में सियासी घमासान

फिर टली सुनवाई; राष्ट्रपति के वकील ने कहा- कोर्ट को स्पीकर के काम में दखलंदाजी का हक नहीं

इस्लामाबाद। अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने और नेशनल असेंबली भंग होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल यानी गुरुवार सुबह 10 बजे तक टल गई है। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल ने सुनवाई के दौरान इमरान सरकार के वकील बाबर अवान से एनएससीकी बैठक के मिनट्स मांगे हैं। इसी मीटिंग में इमरान ने हस्ष्ट के साथ विदेशी साजिश के सबूत वाला लेटर साझा करने का दावा किया था। साथ ही चीफ जस्टिस ने कहा- डिप्टी स्पीकर का फैसला तथ्य नहीं बल्कि आरोपों पर आधारित है। इसी बीच पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने चुनाव आयोग को एक चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में राष्ट्रपति ने 90 दिन के अंदर चुनाव कराने को कहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीटीआई के सांसद फवाद चौधरी की मीडिया से बहस हो गई।

न्यूज़ ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल की जयंती पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्व. श्री प्यारेलाल खंडेलवाल की जयंती पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया। स्व. श्री प्यारेलाल खण्डेलवाल ने मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विस्तार से लेकर भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संघ कार्य में विभिन्न दायित्वों का निर्वाह करते हुए उन्होंने अनेक स्वयंसेवक को समर्पण के साथ ध्येय पथ पर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी। उनका जन्म 6 अप्रैल, 1929 को सीहोर जिले के ग्राम चारमंडली में हुआ था। वे इन्दौर में प्रजामंडल में सक्रिय रहे और विद्यार्थी आंदोलन को अपना प्रखर नेतृत्व प्रदान किया। स्वतंत्र भारत की राजनीति को दिशा देने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे राज्यसभा तथा लोकसभा के सदस्य भी रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को अंतिम समय तक संयम, धैर्य और सहिष्णुता की सीख देते हुए विचारधारा पर दृढ़ता से खड़े रहने का पाठ पढ़ाया। उनका अवसान 6 अक्टूबर 2009 को दिल्ली में हुआ।

आयुर्वेद महाविद्यालय और अस्पताल में रिसर्च के कार्य को प्रोत्साहित करें

भोपाल। आयुष राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री रामकिशोर कावरे ने प्रदेश के आयुर्वेद महाविद्यालयों में रिसर्च के कार्यों को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रदेश के 75 आयुष ग्रामों में मरीजों के रोग संबंधी डाटा के अनुसार उनके महाविद्यालय एवं अस्पताल में समुचित ईलाज किये जाने पर भी जोर दिया। राज्य मंत्री श्री कावरे आज पं. खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद महाविद्यालय और अस्पताल की साधारण सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव आयुष श्रीमती करलिन खोंगवार देशमुख और कमिश्नर भोपाल संभाग श्री गुलशन बामरा भी मौजूद थे। राज्य मंत्री श्री कावरे ने कहा कि भोपाल के आयुर्वेद अस्पताल में 50 बिस्तर के पंचकर्म सुपर स्पेशलिटी चिकित्सालय के निर्माण कार्य को तय समय-सीमा में पूरा किया जाएँ।

पार्टी के स्थापना दिवस समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा- लगातार हो रहा पार्टी का विस्तार

हम देश बनाने निकले हैं, हमें गर्व है भाजपा का कार्यकर्ता होने पर- शिवराजसिंह चौहान

प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री एवं मुख्यमंत्री ने किया ध्वजारोहण

भोपाल। हमारी यात्रा जनसंघ से शुरू हुई। आज प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का लगातार विस्तार हो रहा है। पूर्वोत्तर के राज्यों तक में कांग्रेस और कम्युनिस्टों का सफाया हो गया है और इन राज्यों में भाजपा की सरकारें सफलतापूर्वक काम कर रही हैं। हमें ध्यान रखना है कि हम सिर्फ राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम देश बनाने निकले हैं। हमें भाजपा जैसी पार्टी का कार्यकर्ता होने पर गर्व है। यह बात मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने बुधवार को पार्टी के 42 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान सहित पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा का अभिभाषण सुना। समारोह के पूर्व प्रातः प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कार्यालय में स्थित पं. दीनदयाल जी, श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे एवं राजमाता जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण किया। जिसके पश्चात् श्री प्यारेलाल खण्डेलवाल जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

पार्टी के विकास के लिए हमारे नेताओं ने खुद को खपा दिया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारी यात्रा जनसंघ से शुरू हुई। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के साथ पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटल जी, आडवाणी जी, कुशाभाऊ ठाकरे जी, सुंदरसिंह भंडारी जी जैसे अनेक नेता जुड़े। उस समय जनसंघ के लोगों को कई गांवों में घुसने नहीं दिया जाता था। तब किसी ने नहीं सोचा था कि एक दिन पार्टी इस रूप में होगी। मध्यप्रदेश में ठाकरे जी, प्यारेलाल खंडेलवाल जी, राजमाता जी, पटवा जी जैसे नेताओं ने पार्टी के लिए अपना जीवन लगा दिया, खुद को खपा दिया। इन्हीं नेताओं और कार्यकर्ताओं के परिश्रम से 1967 में संविद सरकार बनी और 1977 में जनता पार्टी की सरकार बनी। श्री चौहान ने कहा कि उस समय भी हमारा विचार स्पष्ट था कि हमें भारतीय मूल्यों और संस्कृति के आधार पर एक वैकल्पिक विचारधारा देना है।

कमल खिलने के साथ हुई विकास के नए युग की शुरुआत

श्री चौहान ने कहा कि हमारी यात्रा बढ़ती गई। हमारे नेता स्व. अटलजी ने कहा कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा। सचमुच स्व. अटलजी के नेतृत्व में ही देश में भाजपा का कमल खिला और 1996 में जब स्व. अटल जी ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, तो करोड़ों कार्यकर्ताओं की आंखों में खुशी के आंसू थे। इसके साथ ही देश में विकास के एक नए युग की शुरुआत हुई। श्री चौहान ने कहा कि 2013 में पार्टी ने श्री नरेंद्र मोदी जी का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए तय किया और 2014 में हमारी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी। उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार वो काम कर रही है, जिनके बारे में कभी कल्पना भी नहीं की जाती थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में एक शक्तिशाली, वैभवशाली, समृद्ध भारत का निर्माण हो रहा है।

कार्यालय में हुआ ध्वजारोहण, शोभायात्रा में कार्यकर्ताओं ने किये उद्घोष

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के उदबोधन के पूर्व प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ध्वजारोहण किया। तद्पश्चात् शोभा यात्रा निकली जिसमें राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, मुख्यमंत्री, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यालय के सम्मुख प्रमुख मार्गों से पार्टी का ध्वज लेकर निकले। कार्यकर्ता भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के उद्घोष कर रहे थे। कार्यकर्ताओं पर पुष्प वर्षा हो रही थी। शोभा यात्रा 7 नंबर चौराहा होते हुए पुनः भाजपा कार्यालय पहुंची, यहां पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम को सुना।

कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री माखन सिंह

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय में ई-पुस्तकों का शुभारंभ

भोपाल

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय भोपाल में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रतिभा सिंह की पहलपर एक नवाचार पुस्तकालय विभाग द्वारा किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के लिए म. इववो क्रय करने के उपरांत उन्हें पासवर्ड प्रदान किए गए, ताकि विद्यार्थी कहीं से भी इसका भरपूर उपयोग कर सकें। महाविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के द्वारा ई-पुस्तकों का विधिवत रूप से शुभारंभ/लॉन्चिंग एवं समस्त छात्राओं के लिए लाइब्रेरी ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन 6 अप्रैल 2022 को महाविद्यालय के सभागार में 12 बजे से किया गया। कार्यक्रम की संयोजक एवं पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग की प्रभारी प्राध्यापक डॉ अनुपमा रावत ने ई-बुक्स के महत्व को बताते हुए विभाग की सुश्री प्राची सिंह के साथ एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से पुस्तकालय के संग्रह, सेवाओं एवंसंसाधनों से छात्राओं और प्राध्यापकों को अवगत कराया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ प्रतिभा सिंह ने प्राध्यापकों एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ई-बुक्स जहाँ शिक्षकों और छात्राओं में ज्ञान के संचार के साथ-साथ रीडिंग हैबिट्स को विकसित करेंगी वहीं उनमें चिंतन प्रक्रिया का विकास एवं नई विचारधाराओं की ओर उन्मुख करेंगी, जो वर्तमान समय की मांग है। इस अवसर पर पुस्तकालय के संसाधनों का पूर्ण उपयोग करने तथा संसाधनों की उपयोगिता पर भी गहन चर्चा हुई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ प्रतिभा सिंह, प्फाब् कोऑर्डिनेटर एवं प्राध्यापक डॉ शैलबाला बघेल, कार्यक्रम की संयोजक डॉ अनुपमा रावत के साथ पुस्तकालय की श्रीमति शीला दीक्षित, प्राची सिंह, दीपकराठौर एवं समस्त पुस्तकालय सदस्यों ने उपस्थित होकर इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।

कांग्रेस ने जारी किया हनुमान जयंती - राम नवमी मनाने का नोटिस, कांग्रेस विधायक ने जताया विरोध

भोपाल से कांग्रेस विधायक अरिफ मसूद ने कहा-ये नोटिस कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के खिलाफ

अनुराग पांडेय, भोपाल .

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक नये पत्र ने कांग्रेस पार्टी के अंदर ही एक नये विरोध को जन्म दे दिया है. दरअसल हुआ यह है की मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हनुमान जयंती और श्री राम नवमी मनाने को लेकर एक नोटिस जारी किया है, जिसमे कांग्रेस पार्टी के समस्त जिला अध्यक्षों व कार्यकर्ताओं से कहा गया हैं की राम नवमी पर सुन्दरकांड का पाठ व हनुमान जयंती पर हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया जाये. परंतु इस नोटिस के आने के बाद अब कांग्रेस पार्टी के अंदर ही विरोध के सुर उठने लगे हैं. भोपाल से मौजुदा कांग्रेस विधायक अरिफ मसूद ने इस परिपत्र पर खुलकर विरोध जताया है और कहा की ये पत्र कांग्रेस पार्टी की विचारधारा के खिलाफ है, उन्होंने कहा की इस पत्र मे बाबा साहेब की जयंती और रमजान के रोजा-इफ्तारी को भुला दिया गया है. कांग्रेस विधायक अरिफ मसूद ने आगे बोलते हुए कहा की - कांग्रेस मे मेरे सहयोगी व कार्यकर्ता राम रावमी बहुत ही उत्साह के साथ मानते है, लेकिन एक राजनीतिक दल होने के नाते कांग्रेस को इस तरह के परिपत्र जारी करने की कोई आवश्यकता नही थी, विधायक अरिफ मसूद ने कहा की - कांग्रेस पार्टी मे हम सभी धर्मो को साथ लेकर चलते है और ऐसे परिपत्र जारी करना एक राजनीतिक दल के लिए अच्छी परंपरा नही है. 2 अप्रैल को जारी किया गया कांग्रेस पार्टी का राम नवमी व हनुमान जयंती मनाने का यह नोटिस कांग्रेस पार्टी के सॉफ्ट हिंदुत्व की नीति व हिंदुओं को खुश करने की पहल की ओर इशारा करता है, पर भोपाल से कांग्रेस पार्टी के विधायक अरिफ मसूद का विरोध कांग्रेस के लिए काफी चिंताजनक है.

भाजपा राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और विकासोन्मुखी राजनीति का पर्याय : शर्मा

भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रदेश अध्यक्ष भोपाल के बैरसिया कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी बलिदानों और त्याग से बना वैचारिक दल है। आज विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में हम पहचाने जाते हैं। देश में अनेक दल हैं, उनसे अलग भाजपा की पहचान है। आज भाजपा राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति और विकासोन्मुखी राजनीति का पर्याय कही जाती है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को बैरसिया में पार्टी के 42वें स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही। संबोधन से पहले प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं के साथ ध्वजारोहण किया।

डॉ. मुखर्जी और दीनदयाल जी के संकल्प को सिद्धी की ओर ले जा रहे मोदी जी

प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज का दिन हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि आज ही के दिन 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी, इससे पहले जनसंघ के रूप में हम काम करते थे। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय जी ने जो संकल्प लिया था, उसे अटल जी और आडवाणी जी ने आगे बढ़ाया। हमारे पूर्वज नेताओं ने जो संकल्प लिया था, उसे सिद्धी की ओर ले जाने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि हम भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता हैं, जो बलिदानों के आधार पर खड़ी हुई है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह जी और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना है।

भाजपा ने गरीबों के जीवन बदलने का अभियान शुरू किया

श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय जो संकल्प लिये थे, उसे न सिर्फ पूरे किये बल्कि जनआकांक्षाओं के अनुरूप हम लगातार विश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारे नेता डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने धारा-370 हटाने का संकल्प लेते हुए कश्मीर के लिए अपना बलिदान दिया था। उनके उस संकल्प को पूरा करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कश्मीर से धारा-370 हटाकर किया है। आज भारतीय जनता पार्टी पं. दीनदयाल जी की अंत्योदय और एकात्म मानववाद के विचार को गांव, गरीब और हर वर्ग तक ले जाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से हर गरीब को घर देने का काम मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार कर रही है। गरीबों के लिए उज्जवला और आयुष्मान जैसी योजनाएं चल रही हैं। मध्यप्रदेश में भी गरीब कल्याण की दिशा में काम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि 70 सालों तक कांग्रेस ने सिर्फ गरीबी हटाओ का नारा दिया। जबकि भारतीय जनता पार्टी ने गरीबों के जीवन बदलने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आव्हान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भारतमाता को परम वैभव तक पहुंचाने के लिए हमारी जो गौरवशाली यात्रा आगे बढ़ रही है, उसमें सहभागी बनेगा। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महमंत्री श्री रणवीर सिंह रावत, विधायक श्री विष्णु खत्री, ग्रामीण जिला प्रभारी श्रीमती अनीता चपरा, जिला अध्यक्ष श्री केदार सिंह मंडलोई, पूर्व विधायक श्री भक्तपाल सिंह, श्री राजमल गुप्ता, श्री गोपाल सिंह मीणा, जिला मंहामंत्री श्री कुबेर सिंह गुर्जर सहित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक
98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

न्यूज ब्रीफ

उत्पादन बढ़ते ही 10 रुपये किलो हुआ टमाटर

रायपुर। अप्रैल महीने में टमाटर ने लोगों को बड़ी राहत दी है। एक तरफ जब दूसरी सब्जियों की कीमतों में महंगाई आनी शुरू हो चुकी है। ऐसी स्थिति में टमाटर, लौकी की कीमतें बीते वर्ष के मुकाबले आधी से भी कम है। सब्जी कारोबारियों का कहना है कि अप्रैल महीने में टमाटर थोक में 10 रुपये से भी नीचे आ चुका है, वहीं चिल्हर में यह 15 रुपये में बिक रहा है। इसकी बड़ी वजह राज्य में टमाटर का बम्फर उत्पादन है। बीते वर्ष की स्थिति पर गौर करें तो अप्रैल महीने की शुरूआत में टमाटर प्रति किलो 40 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुका था, लेकिन वर्तमान में कीमतें बीते वर्ष के मुकाबले आधी से भी कम है। प्रदेश में कर्वधा, बेमेतरा, दुर्ग, रायपुर, बलौदाबाजार आदि जिलों में इन दिनों टमाटर की बड़ी खेप आ रही है।

4 साल का मासूम लापता

रायपुर। उरला इलाके से 4 साल का मासूम लापता होने की खबर सामने आई है. वही मासूम के परिजनों ने पड़ोसी पर शंका जाहिर की. लापता मासूम का नाम हर्ष कुमार चेतन बताया जा रहा है. इस मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है. सीसीटीवी में लापता मासूम पडोसी के साथ दिखा रहा है. पड़ोसी के मोबाइल की लोकेशन महाराष्ट्र में मिली है. जिसके बाद पुलिस की टीम खोज में जुट गई है. इस मामले में किडनैपिंग गैंग का भी हाथ हो सकता है. बीते दिनों राजेंद्र नगर थाने में इस तरफ का मामला सामने आया था. फ़िलहाल पुलिस ने मामले को सुलझा लिया है. वही कई आरोपियों की भी गिरफ्तारी हुई है.

छत्तीसगढ़ के गौठानों को देखने और समझने आए महाराष्ट्र वर्धा से संयुक्त प्रतिनिधि दल

गौठान और गोधन की सफलता ने देश के सभी राज्यों का ध्यान छत्तीसगढ़ की ओर खींचा

- भ्रमण दल में कृषि वैज्ञानिक, ग्रामीण विकास के अधिकारी, अधिवक्ता, शिक्षक और मीडिया के लोग शामिल
- रायपुर, महासमुंद एवं गरियाबंद जिले में गौठान और नरवा विकास के काम देखें
- कल्पतरू मल्टीयूटीलिटी सेन्टर सेरीखेड़ी का किया अवलोकन

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की सुराजी गांव योजना के तहत गांवों में स्थापित गौठान और गोधन न्याय योजना ने गांवों में स्वावलंबन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। गौठान और गोधन की सफलता ने देश के सभी राज्यों का ध्यान छत्तीसगढ़ की ओर खींचा है। छत्तीसगढ़ सरकार की सुराजी गांव योजना के तहत गांवों में स्थापित गौठान तथा गोधन न्याय योजना के समन्वय से गौठानों में संचालित आयमूलक गतिविधियों को देखने के लिए आज महाराष्ट्र राज्य के वर्धा जिले से कृषि वैज्ञानिकों, ग्रामीण विकास के अधिकारियों सहित अधिवक्ता, शिक्षक एवं मीडिया प्रतिनिधि के संयुक्त दल ने रायपुर जिले के अभनपुर विकासखण्ड अंतर्गत नवागांव (ल) गौठान, महासमुंद एवं गरियाबंद जिले में गौठान व नरवा विकास के कार्य का अवलोकन किया और महिला समूह द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर संबंधित जिलों के विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

महाराष्ट्र वर्धा से आए संयुक्त प्रतिनिधि दल ने नवागांव (ल) गौठान में नवनिर्मित आसवन ईकाई, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन ईकाई, मशरूम उत्पादन ईकाई, गोबर से गमला एवं दीया निर्माण, कृषि विभाग द्वारा प्रदत्त मक्का फसल प्रदर्शन बाड़ी, मछली पालन, बाड़ी आदि का अवलोकन किया। संयुक्त प्रतिनिधि दल ने महासमुंद जिले में निर्मित गौठान और वहां महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित आयमूलक गतिविधियों का अवलोकन किया। वर्धा के किसानों ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्थानीय संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर उपयोग के लिए संचालित सुराजी गांव योजना नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी की सराहना की। दल के किसानों ने कहा कि गौठान और गोधन न्याय योजना ग्रामीण जनजीवन में बदलाव और खुशहाली लाने वाली योजना है। संयुक्त प्रतिनिधि दल के डॉ. उल्हास जाजू ने वर्धा सेवाग्राम में स्व-सहायता समूहों द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में गौठान की महिला समूहों से विस्तार से चर्चा की। दल के सभी कृषकों ने अपने अनुभव साझा किये गये। वर्धा के कृषकों ने गरियाबंद जिले में नरवा विकास कार्य का भी अवलोकन किया और इसकी सराहना की।

कल्पतरू मल्टीयूटीलिटी सेन्टर सेरीखेड़ी का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा ने राज्य योजना आयोग भवन में वर्धा से आए संयुक्त प्रतिनिधि दल के सदस्यों से नरवा,गरवा, घुरवा और बाड़ी योजना के उद्देश्य और इससे ग्रामीण जनजीवन में बीते तीन सालों में आए बदलाव को लेकर विस्तार से चर्चा की। श्री शर्मा ने कहा कि छुट्टा पशु खेती के लिए बड़ी समस्या है। छत्तीसगढ़ के गांवों में गौठान बन जाने से खुले में चराई प्रथा रोक लगी है। गोधन न्याय योजना से पशुपालकों को गोबर बेचने से अतिरिक्त आमदनी होने लगी है। गोबर से वर्मी खाद बन रही है, जिससे महिला स्व–सहायता समूहों को रोजगार और लाभ मिलने लगा है। राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। नरवा विकास से भू–जल संरक्षण एवं संवर्धन के साथ–साथ जैवविविधता को बढ़ावा मिला है। राज्य में स्वास्थ्य पोषण और रोजगार को भी इससे बढ़ावा मिला है।

अवलोकन किया और इसकी सराहना की

वर्धा के संयुक्त प्रतिनिधि दल ने कल्पतरु मल्टीयूटीलिटी सेन्टर, सेरीखेडी का अवलोकन किया गया। कल्पतरु मल्टीयूटीलिटी सेन्टर का संचालन उजाला ग्राम संगठन सेरीखेड़ी के द्वारा किया जा रहा है। मल्टीयूटीलिटी सेन्टर में ग्रामीण महिलाओं द्वारा 28 प्रकार के गुणवत्तायुक्त पर्यावरणीय मैत्री वाले हर्बल उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने यहां दाल पेकिंग ईकाई, मास्क एवं केरीबेग निर्माण ईकाई, कपडा बुनाई, मधुबन एवं बस्तर कला चित्रकारी ट्री–गार्ड निर्माण, विभिन्न प्रकार के आचार निर्माण, मशरूम उत्पादन, साबुन एवं मोमबती उत्पादन, हर्बल गुलाल उत्पादन, सोलर ड्रायर, बेकरी आयटम्स, आरओ वाटर बॉटलिंग ईकाई आदि का अवलोकन किया। सेन्टर में कार्यरत महिला समूह के बच्चों के देख–रेख एवं सुपोषण हेतु गौठान में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र का भी किसान दल ने अवलोकन किया। सेन्टर का भ्रमण श्रीमती मोहिनी डहरिया अध्यक्ष, उजाला ग्राम संगठन के द्वारा कराया गया।

चरित्र शंका ने ली दंपति की जान, पति ने ही रस्सी से गला घोंटकर की थी पत्नी की हत्या

गरियाबंद। फिंगेश्वर पुलिस की सक्रियता से हत्या के आरोपी को 4 दिनों के अंदर पकड़ने में सफलता मिली हैं। मामलें में आरोपी द्वारा अपनी पत्नि की हत्या की बात को छुपाते हुऐ उसे घटना दिनांक से 5-6 दिवस पूर्व से बुखार से पीड़ित होने से मृत्यु होना बताकर थाना फिंगेश्वर आकर मर्ग क़ायम करवाया गया था। भूषण दास मानिकपुरी कि सूचना पर मृतिका गीता बाई मानिकपुरी को मृत होना पाये जाने पर थाना फिंगेश्वर में मर्ग क़ायम कर कार्यवाही शुरू की गई थी।

प्रकरण में जांच दौरान घटना स्थल निरीक्षण, शव निरीक्षण पंचनामा कार्यवाही व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मृतिका गीता बाई की मृत्यु बुखार जैसी बीमारी से ना होकर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मारपीट कर गला घोंटकर हत्या करना पाया गया जिस पर अपराध पंजिबद्ध कर कार्यवाही मे लिया गया था। कार्यवाही के दौरान गांव के लोगों से पूछताछ करने पर मृतिका को कुछ समय से अपने पति से वाद विवाद कर उसी के घर मे अलग से रहकर खाना पीना करती थी।

दोनो पति पत्नी आपस मे बिच बिच मे वाद विवाद कर लड़ाई झगड़ा होते रहते थे बताने पर मृतिका गीता बाई के पति भूषण दास मानिकपुरी को संदेह में लेकर कड़ाई से पूछताछ किया गया जिसने अपनी पत्नि मृतिका गीता बाई पति भूषण दास मानिकपुरी उम्र 40 वर्ष थाना फिंगेश्वर की गला घोंटकर हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी से पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया की उसके और उसकी पत्नी एक दूसरे पर चरित्र शंका करते हुए वाद कर लड़ाई झगड़ा होते रहते थे। जिससे तंग आकर दोनो एक हि घर मे अलग अलग रहकर खाना पीना करते थे। रात मे उसकी पत्नी द्वारा पुनः चरित्र शंका करते हुए उसके साथ वाद विवाद करने लगी जिससे दोनो के बिच वाद विवाद बढ़कर हाथापाई मारपीट पर उतारू हो गये थे। जिससे आरोपी पति आवेश में आकर घर मे रखे मवेशी बांधने के नोई (रस्सी) से गला घोंटकर कर हत्या करना स्वीकार किया है। आरोपी भूषण दास मानिकपुरी पिता स्व. भगवानी दास मानिकपुरी उम्र 46 वर्ष थाना फिंगेश्वर जिला गरियाबंद छ.ग. के द्वारा अपराध करना स्वीकार करने व आरोपी के विरुद्ध पर्याप्त अपराध सबूत पाये जाने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में जेल भेजा गया है।

अमरकंटक में हुआ मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का सम्मेलन छग के वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा को सम्मानित किया गया

कान्हा तिवारी

बिलासपुर । मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ का दो दिवसीय प्रांतीय महाधिवेशन 31 मार्च एवं 1 अप्रैल को अमरकंटक में सम्प्पन हुआ। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के इस दो दिवसीय महाधिवेशन का शुभारंभ मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर अनूपपुर जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री मीना सिंह एवं अन्य अतिथियों के साथ प्रदेश के 50 जिलों से आए हजारों पत्रकार बन्धु शामिल हुए ।

म प्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदौरिया के कुशल मार्ग दर्शन में मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ का प्रांतीय महाधिवेशन तथा साधारण सभा की बैठक मां नर्मदा के उद्गम नगरी अमरकंटक में श्री कल्याणसेवा आश्रम में आयोजित की गई थी। सम्मेलन को सफल बनाने में प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष मो अली, महासचिव सुनील त्रिपाठी, मनोज द्विवेदी प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, शहडोल संभाग के अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के सचिव अजीत मिश्रा का विशेष सहयोग से सम्प्पन हुआ।पत्रकारों के स्वागत और उनकी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जिला एवं स्थानीय प्रशासन, नगर परिषद, अमरकंटक विकास प्राधिकरण के लोगों ने सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

सम्मेलन के प्रथम दिवस मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के विशेष आमन्त्रण पर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा अमरकंटक साथी पत्रकारों के साथ पहुंचे थे उन्हें मंच पर स्थान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम उपरान्त आयोजन समिति के संयोजक मनोज द्विवेदी, सह संयोजक अजीत मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर पाण्डेय, श्रवण उपाध्याय, गजानंद गर्ग, विजय उर्मलिया ने श्री कल्याण सेवा आश्रम के समाजसेवी संत परम आदरणीय श्री हिमाद्री मुनि जी महाराज, स्वामी जगदीश आनंद जी महाराज, स्वामी धर्मानंद जी महाराज, स्वामी हर्ष रूप जी महाराज , स्वामी नर्मदा नंद जी महाराज , श्री महंत राम भूषण दास जी महाराज, शांति कुटी आश्रम , मृत्युंजय आश्रम के योगेश दुबे जी, अरंडी संगम स्थित परम योगी बाबा सीताराम जी महाराज ट्रस्ट ,अमरकंटक का साल, श्री फल , स्मृति चिन्ह प्रदान कर सहयोग के लिये आभार प्रकट करते हुए उनका अभिनन्दन किया।

दुपहिया वाहन में लगी आग, बाल-बाल बचा युवक

बिलासपुर। बिलासपुर जिले से दुपहिया वाहन में आगजनी की घटना सामने आई है. मिली जानकारी के मुताबिक घटना वेयर हाउस चौक के पास की है. बताया जा रहा है कि वाहन मालिक खुद आग बुझाने की मशक्कत करता रहा. फ़िलहाल आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है. आग की लपटों में पूरा वाहन जलकर नष्ट हो गया. इस घटना के बारे में पुलिस ने बताया कि बाइक में लगी आग से कोई जनहानि नहीं हुई है. पुलिस जांच में जुट गई है.

12 किलो अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को नशे का काला कारोबार करने वाले कारोबारियों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों द्वारा मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर नशे का कारोबार करने वाले कारोबारियों के संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है।

इसी तारतम्य में दिनांक 06.04.22 को सूचना प्राप्त हुई कि थाना खमतराई क्षेत्रांतर्गत ट्रांसपोर्टऊनगर भाठागांव स्थित बजरंग चौक के पास एक व्यक्ति गांजा बिक्री करने आने वाला है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर तारकेश्वर पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक उरला विश्व दीपक त्रिपाठी द्वारा थाना प्रभारी खमतराई अश्वनी राठौर को आरोपी को गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया।

जिस पर थाना प्रभारी खमतराई के नेतृत्व में थाना खमतराई पुलिस की टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर आरोपी को पकड़ने हेतु ट्रैप पार्टी लगाया गया। इसी दौरान एक व्यक्ति एक बोरी में कुछ सामान लेकर पहुंचा तथा व्यक्ति का हुलिया व कपड़ा मुखबीर द्वारा बताये व्यक्ति के हुलिये व कपड़े से मिलान हो रहा था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने नाम अब्दुल शकुर निवासी खमतराई रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें बोरी की तलाशी लेने पर बोरी में गांजा रखा होना पाया गया, कि आरोपी अब्दुल शकुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 किलो 100 ग्राम मादक पदार्थ गांजा कीमती लगभग 1,21,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना खमतराई में अपराध क्रमांक 242/22 धारा 20बी नारकोटिक्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही किया गया। आरोपी द्वारा गांजा को कहां से लाया गया है, के संबंध में पूछताछ की जा रहीं है।

छत्तीसगढ़ में गेहूं की खेती का तेजी से बढ़ता ग्राफ, इस साल पौने तीन लाख हेक्टेयर में हो रही गेहूं की खेती

तीन साल में रकबा एक लाख से बढ़कर हुआ सवा दो लाख हेक्टेयर

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में खेती-किसानी में अब तेजी से बदलाव आ रहा है। राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलने लगा है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को समय-समय पर दी जानी वाली सीधी मदद भी फसल विविधीकरण में मददगार साबित हुई है। इस योजना के तहत किसानों को सालभर में चार किश्तों में दी जानी वाली इनपुट सब्सिडी से खेती-किसानी समृद्ध हुई है और धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में अन्य फसलों की खेती की ओर किसानों का रूझान बढ़ा है। छत्तीसगढ़ में चना, तिवड़ा, सरसो, गेहूं रबी की मुख्य फसलें हैं। बीते तीन सालों में गेहूं की खेती की ओर राज्य के किसानों का रूझान तेजी से बढ़ा है। जिसके चलते गेहूं की रकबे में पौने तीन गुना की वृद्धि हुई। राज्य में तीन-चार साल पहले औसतन एक लाख हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुआ करती थी, जो रबी सीजन 2020-21 में सवा दो लाख हेक्टेयर तक जा पहुंची थी, वही रबी सीजन 2021-22 में गेहूं का रकबा बढ़कर पौने तीन लाख हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ के सिर्फ चार जिलों राजनांदगांव, कबीरधाम, बेमेतरा, दुर्ग क्षेत्र में देखें तो, गेहूं की खेती का रकबा तीन सालों में तीन गुना बढ़ गया है। वर्ष 2016-17 और 2017-18 उक्त जिलों में गेहूं की खेती औसतन 40-45 हजार हेक्टेयर में होती थी, जिसका रकबा बढ़कर आज सवा लाख हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। गेहूं की खेती में तीन वर्षों में सर्वाधिक 4 गुना बढ़ोत्तरी बेमेतरा जिले में हुई है, यहां गेहूं की खेती का रकबा 14-15 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 55 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है, जबकि इस दौरान राजनांदगांव जिले में गेहूं का रकबा 12 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 33 हजार हेक्टेयर और कबीरधाम जिले में 7 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 13 हजार हेक्टेयर हो गया है। बलरामपुर और सूरजपुर जिले में भी गेहूं की खेती को लेकर किसानों में क्रेज बढ़ा है। सूरजपुर जिले में 5 हजार हेक्टेयर से गेहूं का रकबा बढ़कर 12 हजार हेक्टेयर से अधिक, बलरामपुर जिले में 9 हजार हेक्टेयर से बढ़कर 24 हजार हेक्टेयर तक पहुंच गया है। सरगुजा में भी गेहूं की बुआई का रकबा लगभग दोगुना हो गया है। रबी सीजन 2017-18 में सरगुजा जिले में 54 सौ 10 हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई थी, जो आज 12 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गई है। राज्य के बिलासपुर संभाग के जिलों में भी गेहूं की खेती के रकबे में भी तीन सालों में लगभग 30 हजार हेक्टेयर की बढ़ोत्तरी हुई है। मुंगेली जिले में गेहूं का रकबा लगभग ढ़ाई गुना बढ़ा है। यहां तीन साल पहले औसतन 5 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती होती थी, जो आज बढ़कर 12 हजार हेक्टेयर से अधिक हो गई है। जांजगीर-चांपा जिले में भी गेहूं का रकबा लगभग 1500 हेक्टेयर से बढ़कर 7 हजार हेक्टेयर के करीब पहुंच गया है। रायगढ़ जिले में अब 18 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती होने लगी है। तीन साल पहले तक रायगढ़ जिले में औसतन रूप से मात्र 3 हजार हेक्टेयर गेहूं की खेती होती थी। छत्तीसगढ़ राज्य में वर्ष 2016-17 रबी सीजन में एक लाख 5 हजार 860 हेक्टेयर में, वर्ष 2017-18 में एक लाख 2 हजार 190 हेक्टेयर में, वर्ष 2020-21 में 2 लाख 27 हजार हेक्टेयर में गेहूं की खेती हुई थी, इस साल 2 लाख 77 हजार हेक्टेयर में गेहूं की बुआई की जा रही है।

कलेक्टर ने किया अधिकारियों के बीच नया कार्य विभाजन

बिलासपुर। कलेक्टर डॉ. सारांश मित्तर ने जिले में पदस्थ प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य नया कार्य विभाजन का आदेश जारी किया है। नये कार्य विभाजन के अनुसार संयुक्त कलेक्टर एस.एस.दुबे को अपने वर्तमान प्रभार के साथ-साथ राजस्व मोहर्रिर एवं प्रमाणपत्रों के सत्यापन के लिए प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत पुजारी को सिटी मजिस्ट्रेट थाना जीआरपी, आ.जा.क., तोरवा, सिटी कोतवाली, सिरगिट्टी, कोनी एवं जनसूचना अधिकारी सूचना का अधिकार एवं नियमित तौर सुनिश्चित अंतराल पर प्रकाशित की जाने वाली सूचनाओं हेतु प्रभारी अधिकारी, मुद्रा योजना, जनधन योजना, आवक जावक शाखा, सहायक अधीक्षक सामान्य शाखा, जनगणना, नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, नेहरू युवा केन्द्र, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सहित समस्त बीमा योजनाएं, सिटीजन चार्टर एवं तृतीय लिंग व्यक्तियों के समस्याओं से संबंधित कार्य सौंपे गए है।

संपादकीय

महंगाई का ईंधन

महंगाई को लेकर विपक्ष हमलावर है, मगर सरकार इस पर काबू पाने का कोई उपाय तलाशती नजर नहीं आती। रोज डीजल और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, रसोई गैस और वाहनों में इस्तेमाल होने वाली प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतें भी थोड़े-थोड़े अंतराल पर बढ़ जा रही हैं। कहा जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते तेल आपूर्ति में रुकावट आने की वजह से यह स्थिति पैदा हुई है। मगर पांच राज्यों में विधानसभाओं के चुनाव के मद्देनजर सरकार ने करीब तीन महीने ईंधन की कीमतों की समीक्षा रोके रखी।

उनमें कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। यहां तक कि उस दौरान केंद्र ने उत्पाद शुल्क में कटौती कर तेल की कीमत घटाई थी। जबकि उस दौरान भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊपर थीं। तब स्वाभाविक ही पूछा जा रहा था कि अगर सरकार चुनाव के समय तेल की कीमतों पर नियंत्रण कर सकती है, तो बाद में क्यों नहीं। विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद से डीजल और पेट्रोल की कीमतें अब तक थोड़ा-थोड़ा करके सात रुपए से अधिक बढ़ चुकी हैं। इसी तरह प्राकृतिक गैस यानी सीएनजी की कीमतों में दो बार बढ़ोतरी हो चुकी है। महीना भी नहीं हुआ कि सीएनजी की कीमत में एक रुपए तीस पैसे प्रति किलो की बढ़ोतरी हो चुकी है।

ईंधन के दाम में बढ़ोतरी की मार सबसे अधिक गरीब, मध्यवर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ती है। घरेलू गैस का सिलेंडर एक हजार रुपए से पार पहुंच गया है। व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत पिछले एक महीने में दो बार बढ़ चुकी है। ताजा बढ़ोतरी ढाई सौ रुपए की हुई है। इसी तरह पाइप के जरिए घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस यानी पीएनजी की कीमत पांच रुपए प्रति घन मीटर बढ़ा दी गई है। खुदरा और थोक महंगाई इस समय अपने शिखर पर है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगी हैं, जिसे लेकर आम लोग परेशान हैं। तिस पर तेल और गैस की कीमतें बढ़ने से उन पर अतिरिक्त मार पड़नी शुरू हो गई है। तेल की कीमतें बढ़ने से केवल उन लोगों की जेब पर असर नहीं पड़ता, जो बड़ी गाड़ियों में चलते हैं, बल्कि दुपहिया, तिपहिया और सार्वजनिक वाहनों से चलने वालों पर भी इसका असर पड़ता है। माल ढुलाई का खर्च बढ़ता है, तो उसकी मार हर वर्ग पर पड़ती है। उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं।पिछले कार्यकाल में केंद्र सरकार ने उज्ज्वला योजना को बड़ी उपलब्धि के तौर पर गिनाया। मगर हालत यह है कि पिछले सात सालों में घरेलू गैस की कीमतें करीब ढाई गुना बढ़ चुकी हैं। लोगों को मुफ्त के सिलेंडर तो मिल गए, मगर उनमें गैस भराने के पैसे उनके पास नहीं हैं।

शहरी विकास और महामारियां

वैश्विक महामारी के दौर ने इस धारणा को तोड़ डाला है कि असली विकास शहरों में ही है। ये हाल तब हैं, जब बीते पांच वर्षों से देश में चुने हुए सौ शहरों को हर नजरिए से स्मार्ट शहर बनाने की मुहिम चल रही है। इसलिए यह सवाल उठता है कि क्या संसाधनों व बेहतरीन बुनियादी ढांचे से युक्त आदर्श माडल माने जा रहे हमारे शहरों को एक महामारी इस कदर पैदल भी कर सकती है? शहरों को सभ्यता के विकास का आईना माना जाता है। हर देश अपने बड़े, सुविधा-संपन्न शहरों को दुनिया के सामने काफी चमक-दमक के साथ पेश करता है। न सिर्फ बाहरी लोगों को, बल्कि देश के भीतर भी बड़े शहर आकर्षण का केंद्र होते हैं। वे रोजगार देते हैं। वहां उपलब्ध सुख-सुविधाओं से जीवन आसान बन जाता है।

(अभिषेक कुमार सिंह)

वैश्विक महामारी के दौर ने इस धारणा को तोड़ डाला है कि असली विकास शहरों में ही है। ये हाल तब हैं, जब बीते पांच वर्षों से देश में चुने हुए सौ शहरों को हर नजरिए से स्मार्ट शहर बनाने की मुहिम चल रही है। इसलिए यह सवाल उठता है कि क्या संसाधनों व बेहतरीन बुनियादी ढांचे से युक्त आदर्श माडल माने जा रहे हमारे शहरों को एक महामारी इस कदर पैदल भी कर सकती है?

शहरों को सभ्यता के विकास का आईना माना जाता है। हर देश अपने बड़े, सुविधा-संपन्न शहरों को दुनिया के सामने काफी चमक-दमक के साथ पेश करता है। न सिर्फ बाहरी लोगों को, बल्कि देश के भीतर भी बड़े शहर आकर्षण का केंद्र होते हैं। वे रोजगार देते हैं। वहां उपलब्ध सुख-सुविधाओं से जीवन आसान बन जाता है। लेकिन कोरोना महामारी ने इन अवधारणाओं को बदल दिया है। इसने शहरों की रौनक छीन ली है। हाल यह है कि अमेरिका से लेकर चीन तक के बड़े शहरों की शान महामारी काल में फीकी पड़ गई। चीन के पांच प्रमुख शहर तो अभी तक भी सख्त पूर्णबंदी झेल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते एक-डेढ़ साल में अमेरिका के बड़े शहरों में रहने वाले लाखों लोगों ने शहरों को अलविदा कह दिया है। सवाल है कि आखिर शहरी विकास भीतर से इतना खोखला कैसे हो गया है कि वह एक महामारी का लंबा दौर भी झेल पाने में सक्षम नहीं है।रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच शंघाई सहित चीन के पांच बड़े शहरों में पूर्णबंदी से दुनियाभर में खलबली मची है। कहा जा रहा है कि इससे तेल की मांग में कमी आ सकती है। चूंकि चीन भी भारत की तरह तेल का बड़ा तेल आयातक देश है। यह देश हर दिन एक करोड़ दस लाख बैरल तेल खरीदता है। ऐसे में तेल की चढ़ी कीमतें एक झटके में नीचे आ सकती हैं। दावा किया गया कि चीन में कोरोना के नए आंकड़े पैंसठ हजार के करीब पहुंच चुके थे।ऐसे में पांच शहरों में पूर्णबंदी लगा कर हालात संभालने की कोशिश की गई। उसकी जीरो कोविड नीति शहरों में नाकाम हो चुकी है, जो खुद उसके लिए गंभीर चिंता का विषय है। बढ़ते मरीजों की संख्या के चलते चीन के शहरी अस्पतालों में जगह नहीं बची है। बात सिर्फ चीन की नहीं है, अमेरिकी शहरों के हाल भी काफी खराब हैं। अमेरिकी जनगणना के नए आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2020-2021 के दौरान बड़े अमेरिकी शहरों से लाखों लोग छोटे शहरों की तरफ पलायन कर गए। इनमें पहला नंबर न्यूयार्क का रहा। इस शहर के सवा तीन लाख से ज्यादा नागरिक दूसरे इलाकों में रहने चले गए।जनगणना के आंकड़ों में न्यूयार्क की आबादी में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है, जिसे एक बड़ी चिंता माना जा रहा है। इसी तरह लास एंजीलिस की आबादी में पौने दो लाख की कमी आई है। शिकागो से करीब एक लाख लोग दूसरी जगहों पर चले गए। राजधानी वाशिंगटन से करीब तीस हजार लोगों ने पलायन किया। मेट्रो शहरों से बेरुखी का यह आलम दुनिया के दूसरे देशों में भी देखने को मिल रहा है। हालांकि अभी भारत में नई जनगणना के आंकड़े नहीं आ सके हैं। लेकिन अंदाजा है कि यहां भी लोगों ने बड़े शहरों से छोटे शहरों की पलायन किया है।कोरोना महामारी के कारण बीते दो साल में हालात ऐसे बने कि अब कोई भी बड़े शहरों की ओर नहीं जाना चाहता। राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी मुंबई से लेकर ज्यादातर बड़े शहरों और महानगरों ने लोगों को बुरी तरह नाउम्मीद कर दिया है। वैश्विक महामारी के दौर ने इस धारणा को तोड़ डाला है कि असली विकास शहरों में ही है।ये हाल तब हैं, जब बीते पांच वर्षों से देश में चुने हुए सौ शहरों को हर नजरिए से स्मार्ट शहर बनाने की मुहिम चल रही है। इसलिए यह सवाल उठता है कि क्या संसाधनों व बेहतरीन बुनियादी ढांचे से युक्त और रोजगार से लेकर शिक्षा-स्वास्थ्य के लिए आदर्श माडल माने जा रहे हमारे शहरों को एक महामारी इस कदर पैदल भी कर सकती है? खासतौर से भारत की बात करें, तो सवाल यह उठता है कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि कोविड-19 ने शहरों की उन तमाम बीमारियों को एक झटके में उजागर कर दिया है, जो भ्रष्टाचार, लापरवाही और अधकचरे विकास के कारण लाइलाज हो चुकी हैं।आंकड़ों में देखें तो पिछले साल देश के प्रमुख आठ शहरों में ही कोरोना संक्रमण के साठ फीसद से ज्यादा मामलों का पता चला था। इसमें से भी करीब आधे मामले शीर्ष चार महानगरों- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में सामने आए थे। वर्ष 2021 के शुरुआती चार-पांच महीनों में जो कोहराम मचा था, वह भुलाए नहीं भूलता। अमदाबाद, इंदौर, पुणे और जयपुर जैसे शहरों में स्थितियां संभाले नहीं संभल रही थी।अगर पूछा जाए कि ऐसा क्यों हुआ, तो इसके कारण बहुत साफ नजर आते हैं। जैसे आजादी के बाद स्वास्थ्य क्षेत्र की सतत अनदेखी और रोजगार के लिए शहरों की तरफ आबादी के पलायन इन दो अहम कारणों से हमारे ज्यादातर शहर कोरोना के आगे निरुपाय हो गए। निश्चित ही शहरों की बर्बादी की ये दो अहम वजहें हैं। लेकिन यह किस्सा यहीं खत्म नहीं हो जाता है। कोई महामारी इतनी विकट हो तो संसाधनों का कम पड़ना लाजिमी है, न्यूयार्क से लेकर लंदन तक में यही हुआ। समझना होगा कि शहरों में दिख रही इस तबाही की जड़ें गहरी हैं और काफी अरसे से यहां पैठ जमाए हुए हैं।करीब सवा दशक पहले 2007 में दिल्ली में एक सम्मेलन में शामिल हुए शहरी योजनाकारों और विशेषज्ञों ने इसी मर्ज पर उंगली रखी थी। वे सभी इस पर एकमत थे कि बिना सोचे-समझे शहरों को ऊंची इमारतों और कांच के टावरों से घेरना असल में एक किस्म का 'राक्षसी और अमानवीय' चलन है, जो किसी रोज शहरों को ले डूबेगा। उस वक्त विषाणु से पैदा हुई महामारी का कोई संकट उनके सामने नहीं था, पर संसाधनों पर पड़ने वाले बेहिसाब दबाव का अंदाज लगाते हुए उन्होंने यह जरूर कहा था कि अगर ख्वाहिश भविष्य के शहरों के निर्माण की है, तो हमें अतीत की ओर देखना चाहिए, जब लोग जमीन पर बने एक ही तल वाले मकानों में थोड़ा दूर-दूर रहते थे।हम इस तथ्य की अनदेखी नहीं कर सकते कि भारत के शहरों को कितने खराब ढंग से बसाया गया है। उन्हें जिस बेतरतीबी से बढ़ने की छूट दी गई, उसी का नतीजा आज कोरोना के भयानक प्रकोप के रूप में सामने है। अब तक ये शहर दो तरीके से बढ़े हैं। एक तो पहले से बसे इलाकों के भीतर ही भीतर और तंग होती गलियों और परस्पर सटते मकानों में लोगों की भीड़ जमा होती गई। बेहद सीमित आय वाले ये वैसे लोग थे और हैं, जो व्यवस्थित इलाकों में किराए पर या खुद के मकान-फ्लैट में नहीं रह सकते। दूसरा समाज वह है जो जमीन की कमी के कारण शहर से दूर इलाकों में बनी बहुमंजिली इमारतों में रहने लगा है। इन दोनों ही कारणों से हमारी सामाजिकता और सामुदायिकता की अवधारणा को गहरा आघात लगा है।शहरी नियोजन को लेकर ज्यादातर योजनाकार इस पर एकमत हैं कि सिर्फ ऊंची इमारतें बनाने भर से काम नहीं चलता, बल्कि इसके लिए समूचा ढांचा वैसा ही बनाना पड़ता है, जैसा पश्चिम में है। यह नहीं हो सकता कि शहरों की आबादी और इमारतों की ऊंचाई तो सतत बढ़ती रहे, पर अस्पताल, बिजली, पानी, सड़क और परिवहन की व्यवस्थाएं जस की तस लचर बनी रहें। इससे तो और बड़ा विरोधाभास पनपेगा और ऐसा बेढंगा विकास हमें ले डूबेगा। अफसोस कि ये परिणतियां आज हमारे सामने प्रत्यक्ष घटित हो रही हैं। अच्छा हो कि समाज और सरकार के योजनाकार मिल-बैठ कर इस बारे में सोचें कि कैसे शहरों को उन तमाम मर्जों से निजात दिलाई जाए, जो उसकी नसों में बैठ गए हैं और एक नहीं, असंख्य महामारियों की वजह बन गए हैं।

मूल्यों, सिद्धांतों पर सदैव अडिग रहीहै भारतीय जनता पार्टी

शिवराज सिंह चौहान

श्रद्धेय अटल जी कहा करते थे अंधेरा छटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा ! ये वाक्य हम जैसे कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत रहा है द्यदेश के वे समस्त विषय जो देश की अखंडता, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक सरोकार से जुड़े थे उन्हें भाजपा का आधार बनाया गयाद्य भाजपा की नींव तैयार करने में हमें आशीर्वाद मिला श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जैसे ओजस्वी विचारकों का, विचारों को धरातल पर उतारने का काम किया देश की तत्कालीन सबसे मजबूत जोड़ी अटल-आडवाणी ने और आज जो भाजपा की भव्य इमारत खड़ी है उसे साकार किया है श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व ने, श्री अमित शाह जी के मजबूत इरादों ने और हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा जी के कठोर परिश्रम ने भाजपा आज जनकल्याण का पर्याय बन चुकी है, देश की जनता ने भाजपा को आत्मसात किया है, भाजपा से लोग जुड़ रहे हैं, भाजपा के

विकास के संकल्पों से लोग स्वयं को जोड़ पा रहे हैं लेकिन यह एक दिन की बात नहीं है यह 42 वर्षों के संघर्ष, कार्यकर्ताओं के कठोर परिश्रम, राष्ट्रवाद के मजबूत संकल्प और जन सेवा के प्रति समर्पण के बल पर संभव हो सका है द्य प्रारंभ से ही एक ओर अंतिम व्यक्ति का कल्याण कार्यकर्ताओं के विचारों में निहित था तो दूसरी ओर एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान नहीं चलेगा जैसीराष्ट्रवादी परिकल्पनाओं को साकार करने जैसा मजबूत निश्चय मन में था

भाजपा की यात्रा में अनेक पड़ाव आए, कभी हम सदन में दो सदस्य तक रह गए, तब भी राष्ट्रवाद और जनकल्याण को संसद के पटल पर रेखांकित करने से हम नहीं डिगे और जब मोदी जी के नेतृत्व में देश की सबसे बड़ी पार्टी बन कर सदन में पहुंचे तो धारा 370 और तीन तलाक जैसे काले कानूनों को हटा कर और भव्य राम मंदिर निर्माण के अपने संकल्पों की पूर्ति की द्य आज आम जन के मन में विश्वास है कि मोदी है तो मुमकिन है, क्योंकि समाज का कोई भी वर्ग हो, विकास का कोई भी क्षेत्र हो वो भाजपा के जनकल्याण के कार्यों से अछूता नहीं रहा है अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में पूरे देश मेंराजनीतिक शुचिता का वातावरण निर्मित हुआ. उनके कार्यों को आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने आगे बढ़ाते हुए गरीब कल्याण, स्वच्छता और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को लेकर देश में आत्म विश्वास एवं आत्म स्वाभिमान का वातावरण निर्मित किया है । महिला कल्याण की बात हो या फिर युवा वर्ग का उत्थान और उनके रोजगार की व्यवस्था, प्रत्येक वर्ग के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए मोदी जी ने दृढ़ निश्चय के साथ ऐसे अनेक फैसले लिए है जिससे देश का सिर पूरी दुनिया में गर्व से ऊंचा हुआ है द्य जनता की श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्य मोदी जी भारत के लिए ईश्वर का वरदान है द्य प्रधानमंत्री जी ने भारत का गौरव दुनिया के समक्ष ऐसा बढ़ाया है कि आज दुनिया भारत के बिना नहीं चल सकती है

भाजपा लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करती है, यहां पर फैसलेसर्व-सम्मति से होते हैंद्य भारतीय जनता पार्टी भारतीय संस्कृति की पारंपरिक मान्यताओं में पूर्ण विश्वास रखती है और यही सिद्धांत भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता और सफलता के प्रमुख कारण है

आज भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो पूर्णतः अपने कैडर एवं अनुशासन के लिए जानी जाती है इस पार्टी में कार्यकर्ताओं को पूरा सम्मान प्राप्त है द्य भारतीय जनता पार्टी ही देश की एक ऐसी पार्टी है जिसमें एक एक सामान्य सा कार्यकर्ता देश के सर्वोच्च पद पर पहुंच सकता है।

भारतीय जनता पार्टी अभी यहीं रुक जाने वाली पार्टी नहीं है। हम चरैवेति चरैवेति में विश्वास करते हैं। सदैव जनहित के नए लक्ष्य तय करते है और पूरी दृढ़ता के साथ फिर आगे बढ़ जाते है। हमें एक लंबा सफर तय करना है।

आइए भाजपा के स्थापना दिवस पर हम सब मिलकरसंकल्प ले कि हम राष्ट्र ही प्रथम है की संकल्पना के साथ कार्य करे, तभी देश और मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर बनेगा और भारत राष्ट्र का गौरव विश्व में चिर स्थायी बन सकेगा।

मेरी ओर से स्थापना दिवस पर पुनः बधाई शुभकामनाएं

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

बड़े प्रदेश की उम्मीदें

उत्तर प्रदेश ने अपनी राजनीति का नया इतिहास लिख दिया है। इतने विशाल प्रदेश में एक मुख्यमंत्री और उनकी पार्टी की सत्ता का कायम रहना अपने आप में अध्ययन और अनुकरण का विषय है। कड़ी चुनावी टक्कर में यह एक ऐसी सरकार की बेहतरीन वापसी है, जिससे प्रदेश को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि यहां भाजपा के नेताओं के प्रति आभार भाव कायम था, इसलिए जनता ने सीटें भले कम कर दीं, पर फिर शासन का मौका दिया। इस आभार भाव की जरूरत बनी रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उचित ही कहा है कि 'प्रदेश में वंशवाद और जातिवाद की राजनीति नहीं चलेगी। हमने सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम किया। अब हम लोगों की आय को दोगुनी करेंगे। प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाएंगे।' दरअसल, अर्थव्यवस्था ही वह कमजोर नब्ज है, जहां सरकार की वास्तविक परख होने वाली है। अगर मुख्यमंत्री प्रदेश को नंबर वन अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देख रहे हैं, तो उनका सहर्ष स्वागत है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य का विकास देश की चंद बहुत बड़ी चुनौतियों में शुमार है। यहां विकास की बुनियादी रूपरेखा को और दुरुस्त करने की जरूरत है। यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं के पूरा होने से प्रदेश में विकास की बुनियाद सशक्त हुई है। आज उत्तर प्रदेश के पास ऐसा बहुत कुछ है, जिस पर सब गर्व कर सकते हैं। अभी जो परियोजनाएं चल रही हैं, उन्हें जल्द पूरा करने पर प्रदेश सरकार का जोर होना चाहिए। चुनाव अगर श्रेय लेने का समय होता है, तो जनता ने योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार को श्रेय दे दिया है, लेकिन अब फिर काम में लग जाने का समय है। विधायक दल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जो सकारात्मक बातें की हैं, उनको साकार करने में सरकार को लग जाना चाहिए। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर रोजगार की जरूरत है, तो राज्य सरकार को ऐसे तमाम प्रबंध करने चाहिए, जिनसे प्रदेश में निवेश बढ़े। भौगोलिक और व्यावसायिक लिहाज से उत्तर प्रदेश एक बेहतर जगह है, पर इस प्रदेश को जितना मिलना चाहिए, उतना नहीं मिला है। भारी राजनीतिक बढ़त या वजूद को आर्थिक विकास में तब्दील करने का वक्त आ गया है। डबल इंजन की सरकार है और उत्तर प्रदेश के लिए इससे अच्छा मौका अब कब आएगा?

मुख्यमंत्री प्रदेश की व्यवस्था को जातिवाद से अगर थोड़ा भी निकाल सके, तो यह उनका बड़ा योगदान होगा। इस प्रदेश के दामन पर जातिवाद के दाग अक्सर लगते रहते हैं, कोई भी उत्तर प्रदेश की निंदा करने लगता है या नकारात्मक मिसालें देने लगता है। अत~ सबके विकास पर फोकस करते हुए चलना होगा। प्रदेश मंत्रिमंडल में अब मुख्यमंत्री सहित 53 मंत्री व राज्यमंत्री हैं। कामकाज के अलावा राजनीतिक समीकरण देखते हुए मंत्री बनाए जाते हैं, लेकिन अब सबका एजेंडा उत्तर प्रदेश का विकास होना चाहिए। उत्तर प्रदेश ने एक सशक्त नेता चुना है, तो उसका पूरा लाभ भी प्रदेश को मिलना चाहिए। लोग यही उम्मीद करेंगे कि आगामी पांच वर्ष शांति से प्रदेश के सुखद कायाकल्प को समर्पित हो जाएं, ताकि लोग उत्तर प्रदेश की और ज्यादा सकारात्मक मिसालें देने लगें। प्रदेश के मुख्यमंत्री के इस कथन का पुरजोर स्वागत है कि हमें अपने राज्य की बेहतरी के लिए फिर से मिलकर काम करना होगा।

पूरी रणनीति से मुकाबले में रूस

(आलोक जोशी,वरिष्ठ पत्रकार)

यूक्रेन पर रूस के हमले को चालीस दिन हो चुके हैं। यूक्रेन की हालत खराब है, यह तो किसी से छिपा नहीं है, लेकिन जिस रफ्तार से यूक्रेन बर्बाद हो रहा है, उसी रफ्तार से रूस का खजाना भी खाली हो रहा है। युद्ध शुरू होते ही खबरें आने लगी थीं कि देश कंगाली के कगार पर पहुंच गया है, शेयर बाजार को बंद करना पड़ा और रूसी मुद्रा रूबल की कीमत रसातल में चली गई।

युद्ध नहीं रुका, लेकिन पिछले एक महीने में तस्वीर फिर काफी बदल चुकी है। मार्च के महीने में रूसी मुद्रा रूबल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़नेवाली मुद्रा बन चुकी है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूबल की कीमत में 60 प्रतिशत का उछाल आया है। यूक्रेन पर हमले से पहले एक डॉलर करीब 76 रूबल का होता था, हमले के बाद 7 मार्च को इसकी कीमत 139 रूबल पर पहुंच चुकी थी, जो इतिहास में रूबल की सबसे कम कीमत थी। लेकिन मार्च खत्म होते-होते एक डॉलर खरीदने के लिए 82 रूबल से भी कम की जरूरत पड़ने लगी। युद्ध शुरू होने के साथ ही लोग रूबल का दाम दिखा-दिखाकर पुतिन की आलोचना कर रहे थे कि कैसे उन्होंने अपनी अर्थव्यवस्था का भट्ठा बैठा दिया है, लेकिन अब इनमें से ज्यादातर जानकार चुप्पी साधे बैठे हैं और देख रहे हैं कि आखिर पुतिन ने आपदा में अवसर कैसे ढूंढ़ निकाला। यह बात समझना रोचक भी है और जरूरी भी।

युद्ध के साथ ही दुनिया भर में रूस की आलोचना शुरू हुई और यह कोशिश भी कि कैसे उसे यूक्रेन से कदम वापस खींचने को मजबूर किया जाए। हालांकि, अमेरिका या नाटो देशों में से कोई भी सीधे-सीधे युद्ध में उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया, लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाकर उस पर दबाव बनाने की कोशिश जरूर की। लेकिन इस कहानी में एक पेच है और पेच भी मामूली नहीं है। रूस दुनिया में कच्चे तेल और गैस के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है। उसके सबसे बड़े खरीदार यूरोप के वे देश हैं, जो उस पर प्रतिबंध लगाने में हिस्सेदार हैं। इन देशों को पता है कि रूस के तेल के बिना उनका गुजारा नहीं हो सकता। अगर रूस से तेल की आपूर्ति बंद हो जाए, तो दुनिया भर में तेल और गैस के दाम कैसे बढ़ेंगे, इसका नमूना पिछले एक महीने में दिख चुका है। कच्चे तेल का दाम जो हमले के पहले 90 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, हमला होते ही तेजी से भागना शुरू हुआ और 130 डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि, उसके बाद से इसमें उतार-चढ़ाव चल रहा है और युद्ध खत्म होने की उम्मीद जागते ही यह फिर 100 डॉलर के आसपास मंडराने लगा है। लेकिन इससे यह बात साफ हो रही है कि कीमत सिर्फ रूस को नहीं चुकानी है, पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन भी शायद इस बात को अच्छी तरह समझते हैं। इसीलिए उन्होंने आर्थिक प्रतिबंधों के मुकाबले में एक जवाबी चाल चल दी। एक तरफ, तो पुतिन पहले ही रूस से निर्यात करनेवाली कंपनियों को निर्देश दे चुके थे कि वे अपना 80 प्रतिशत भुगतान रूबल में ही लेने पर जोर दें। जाहिर है, कंपनियों को अपने खरीदारों को इसके लिए राजी करना होगा, लेकिन इन कंपनियों पर तो रूस की सरकार का जोर चलता है और ऐसा करने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूबल की मांग भी पैदा हो जाती। इसके ऊपर उन्होंने तुरुप का पत्ता चला। उन्होंने यह शर्त लगाई कि जो देश रूस के मित्र नहीं हैं, जो नाटो या अमेरिका के साथ हैं, उन्हें अब रूस से तेल खरीदना है, तो भुगतान रूबल में ही करना होगा। यूरोपीय संघ के बहुत से बड़े-छोटे देश जो रूस से तेल खरीदते हैं और उन्होंने इसके लिए लंबे समय के करार कर रखे हैं। इस वक्त वे न तो कहीं और देखना चाहते हैं और न ही ऊंची कीमत चुकाना चाहते हैं। यही वजह है कि रूस पर प्रतिबंध लगने के समय से ही इन सबने साफ कर दिया था कि युद्ध और पाबंदियों के बावजूद वे रूस से तेल खरीदना जारी रखेंगे। खास बात यह है कि रूस से पश्चिमी यूरोप को जानेवाला तेल और गैस यूक्रेन के रास्ते पाइपलाइन से भी जाता है। सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे वाला यह फॉर्मूला चलता, तो रूस पर दबाव काफी बढ़ जाता, लेकिन व्लादिमीर पुतिन की शर्त ने मामला उलट दिया। अब दबाव दोनों तरफ बराबर हो चुका है। अगर आप रूबल को नहीं मानते, तो फिर तेल और गैस कहीं और से ले लो।

हालांकि, जानकारों को लगता है कि यह भी दबाव की रणनीति ही ज्यादा है, क्योंकि जिस वक्त राष्ट्रपति पुतिन चेतावनी दे रहे थे कि शुक्रवार से रूबल में भुगतान करने वाले देशों को आपूर्ति बंद कर दी जाएगी, उ वक्त भी रूस की बड़ी तेल कंपनियों से आपूर्ति बदस् जारी थी। दूसरी तरफ, जर्मनी और इटली जैसे देशों क सरकारें भी पूरी तरह मुत्मइन दिख रही थीं। उनक कहना है कि रूस की शर्तें उनके देश पर लागू नहीं हो हैं।

तेल की खरीद-बिक्री से आगे इस किस्से का एक पह यह भी है कि दुनिया भर में इस संकट का अस महसूस होने लगा है। रूस सिर्फ तेल ही नहीं बेचत गेहूं, मक्का, तिलहन, कोयला और अनेक धातुओं क भी वह बहुत बड़ा निर्यातक है। वह पैलेडियम क दुनिया में सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। य वह धातु है, जो सेमीकंडक्टर यानी कंप्यूटर चि बनाने के लिए बेहद जरूरी है। दुनिया पहले सेमीकंडक्टर की किल्लत से जूझ रही है और अब इ युद्ध ने दबाव और बढ़ा दिया है। ऐसी अनेक ची हैं, जिनके दामों में लगातार तेजी पूरी दुनिया क परेशान कर रही है और अब वह रूस के साथ तना को और बढ़ाने के बजाय बात को खत्म करवाने क पक्ष में दिख रही है। हालांकि, रूस और यूक्रेन, दो ही देशों के भीतर राष्ट्रवाद का ज्वार भी दिख रहा लेकिन बाकी दुनिया की आबादी सही और गलत क बारे में राय रखते हुए भी मामला खत्म करवा चाहती है।

(ये लेखक के अपने विचार है

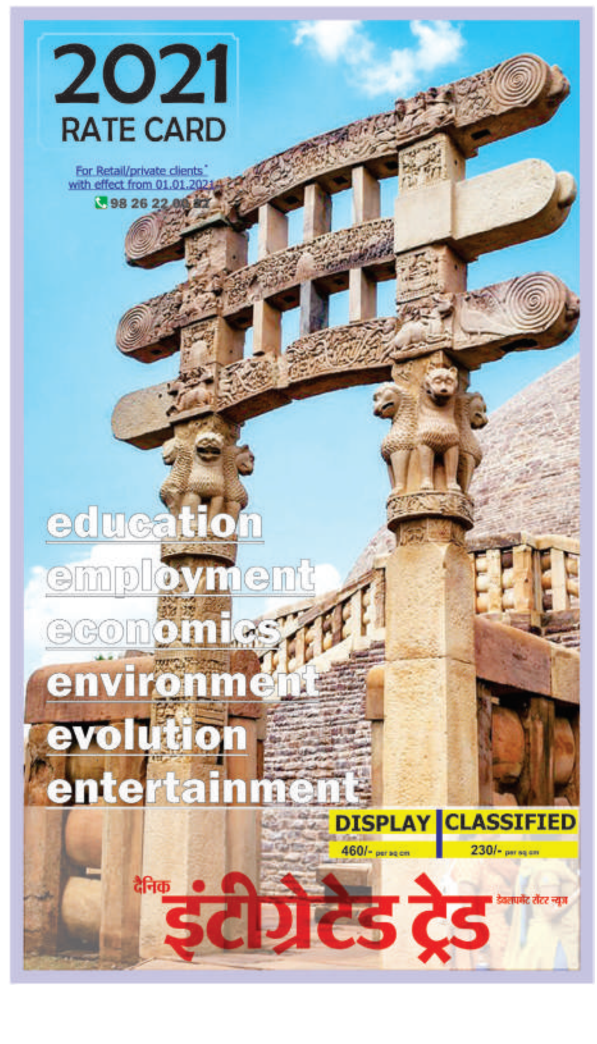

इतिहास की खौफनाक घटनाएं, जिनको आज तक कोई नहीं सुलझा पाया

दुनिया के इतिहास में कई ऐसी घटनाएं हुईं हैं जिनके रहस्य से आज तक कोई पर्दा नहीं उठा सका है। इतिहास के इन रहस्यों को कई इतिहासकारों और वैज्ञानिकों ने सुलझाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। आईए जानते हैं दुनिया के सबसे बड़े 5 रहस्य जो कभी नहीं सुलझे

यरुशलम का आर्क ऑफ कॉवनेंट

587 ईसा पूर्व बेबीलोन की सेना ने यरूशलम पर हमला किया था। इस हमले में यहूदियों के शहर को पूरी तरह से तबाह कर दिया था। इसके साथ ही उनके पहले मंदिर को भी तोड़ डाला था। उस दौरान मंदिर में रखे आर्क ऑफ कॉवनेंट का क्या हुआ? यह अभी भी रहस्य है। आर्क ऑफ कॉवनेंट में 10 धर्मों के आदेशों की किताबें थीं। अभी भी यह बड़ा सवाल है कि आर्क ऑफ कॉवनें को कौन लेकर गया, यह कहां गया? इस बात के कोई सबूत नहीं हैं। कुछ लोगों का मानना है कि आर्क ऑफ कॉवनेंट को बेबीलोन की सेना यरूशलम पर कब्जा करने के बाद अपने साथ लेकर चली गई, तो वहीं कुछ लोग मानते हैं कि हमले के पहले ही इसको कहीं छिपा कर रख दिया गया था। जब मसीहा वापस जाएंगे, तो आर्क ऑफ कॉवनेंट मिल जाएगा। यह भी माना जाता है कि आर्क ऑफ कॉवनेंट को बेबीलोन की सेना ने तबाह कर दिया था।

ओक आइसलैंड में खजाने का रहस्य

कनाडा के नोवा स्कोटिया के पास स्थित ओक आइसलैंड में बड़ा खजाना होने की बात कही जाती है। दो सदियों से भी अधिक समय से यह बात कहानियों के माध्यम से दुनियाभर में प्रचारित की गई है। बताया जाता है कि कैप्टन विलियम किड नामक एक समुद्री लुटेरे ने इसी स्थान पर अपना खजाना छिपाया था। इसके बाद ओक आइसलैंड में छिपे खजाने को खोजने के लिए करोड़ों डॉलर खर्च कर दिए गए, लेकिन आज तक वहां छिपे खजाने को नहीं खोजा जा सका।

बेबीलोन में हैंगिंग गार्डन का सच

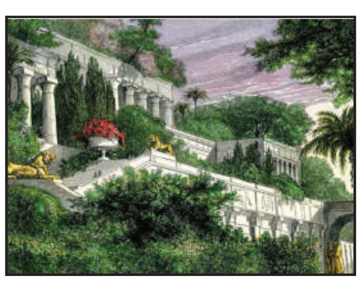

बेबीलोन में 2000 साल पहले सच में हैंगिंग गार्डन थे या नहीं, यह अभी तक रहस्य है। 250 ईसा पूर्व कई इतिहासकारों ने अपनी किताबों में बेबीलोन में हैंगिंग गार्डन का जिक्र किया है। उन्होंने इस हैंगिंग गार्डन को दुनिया का अजूबा बताया था। हालांकि हैंगिंग गार्डन के बारे में कोई भी पुरातात्विक सबूत नहीं पाए गए हैं। बेबीलोन और वर्तमान इराक में अभी तक हुई खुदाई में हैंगिंग गार्डन होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं। अभी तक यह रहस्य बरकरार है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति की हत्या का राज

अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ.केनेडी की हत्या किसने की और उनको किसने मरवाया? यह अभी भी बड़ा सवाल है। अमेरिकी इतिहास में यह सबसे बड़ा रहस्य माना जाता है। कई दशक बीत जाने के बाद भी जॉन एफ.केनेडी के हत्यारे को लेकर सभी एक मत नहीं हैं। 22 नवंबर 1963 को देश के डलास शहर में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ.केनेडी को ली हार्वे ओसवाल्ड ने गोली मार दी थी। केनडी की हत्या के दो दिन बाद ही जैक रूबी नाम के एक व्यक्ति ने ओसवाल्ड की हत्या कर दी। इसके बाद 3 जनवरी 1967 को रूबी की लंग कैंसर की वजह से मौत हो गई। इतिहासकारों का मानना है कि अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति की हत्या करना इतना आसान नहीं था उनको साजिश के तहत मारा गया है। यह आज भी रहस्य है कि केनेडी को किसने मरवाया।

तैरते तैरते गायब हो गए पीएम

ऑस्ट्रेलिया के 17वें प्रधानमंत्री हेरोल्ड एडवर्ड होल्ट तैराकी के दौरान गायब हो गए थे। वह 26 जनवरी 1966 को प्रधानमंत्री के पद पर काबिज हुए थे। ऑस्ट्रेलिया के तत्कालीन प्रधानमंत्री मेनजिस के रिटायर होने के बाद वह निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। वह उसी साल आम चुनाव में शामिल हुए थे और उनको भारी जीत मिली थी। उनको आखिरी बार शेविओट बीच पर देखा गया था। 17 दिसंबर 1967 को वह विक्टोरिया के शेविओट बीच पर तैराकी कर रहे थे और इसी दौरान अचानक गायब हो गए। उन्हें बहुत खोजा गया, लेकिन वो कहीं नहीं मिले। आखिरकार 20 दिसंबर 1967 को उन्हें आधिकारिक तौर पर मृत घोषित किया गया, लेकिन उनका शव आज तक नहीं मिल पाया। यह अभी रहस्य कि आखिर वह कहां लापता हो गए।

सिटी ऑफ गोल्ड कहा जाता था जोहान्सबर्ग

आज भले ही न्यूयॉर्क और लंदन दुनिया के सबसे अमीर देशों की सूची में टॉप पर हों, लेकिन एक समय था जब दक्षिण अफ्रीका का एक शहर दुनिया का सबसे अमीर शहर हुआ करता था। इस शहर का नाम है जोहान्सबर्ग।

यह दक्षिण अफ्रीका का सबसे बड़ा और सबसे अधिक जनसंख्या वाला शहर है। हीरे और सोने की खानों के लिए प्रसिद्ध जोहान्सबर्ग को पहले 'सिटी ऑफ गोल्ड' यानी सोना उगलने वाला शहर कहा जाता था। इसके पीछे वजह ये थी कि करीब 150 साल पहले यहां की खदानों से दुनिया का 80 फीसदी सोना निकाला जाता थ, लेकिन अब इसी शहर को दुनिया के सबसे खतरनाक शहरों में शुमार किया जाने लगा है। कहा जाता है कि यह शहर अब अपराधियों का अड्डा बन चुका है।

कहा जाता है कि साल 1886 में एक अंग्रेज ने जोहान्सबर्ग में सोने के खदानों की खोज की थी। जब दुनिया को इस जगह के बारे में पता चला तो दूसरे-दूसरे देशों से लोग यहां आकर बसने लगे और सोने की खदानों में अपनी किस्मत आजमाने लगे। सोने के खदानों की वजह से ये शहर काफी अमीर बन चुका था। जोहान्सबर्ग में फिलहाल 'गोल्ड रीफ सिटी' मनोरंजन का सबसे बड़ा केंद्र है। यह शहर के सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट में सोने की खान के पास स्थित है। असल में यह एक पार्क है, जहां काम करने वाले कर्मचारी 1880 ई.के समय की पोशाक पहन कर घूमते दिखाई देते हैं। यहां की सभी इमारतों को भी उसी समय के हिसाब से डिजाइन किया गया है। यहां काफी संख्या में पर्यटक आते हैं और खदान से धातु निकाल कर सोना बनाने की पूरी प्रक्रिया को देखते और समझते हैं। जोहान्सबर्ग का सबसे बड़ा म्यूजियम है हेक्टर पीटरसन म्यूजियम। यह औरलैंडो वेस्ट में स्थित है। यहीं पर एक बच्चे हेक्टर पीटरसन की हत्या कर दी गई थी। उसी बच्चे की याद में बाद में इस म्यूजियम का नाम हेक्टर पीटरसन म्यूजियम रख दिया गया। इसे 16 जून 2002 को आम जनता के लिए खोला गया था। जोहान्सबर्ग के सबसे बड़े चिड़ियाघर में जानवरों की करीब 3000 प्रजातियां हैं। यह चिड़ियाघर दुनिया की उन गिनी-चुनी जगहों में है, जहां सफेद शेर पाए जाते हैं। इसके अलावा यहां साइबेरियन बाघ भी पाए जाते हैं। जोहान्सबर्ग का 'द साउथ अफ्रीकन म्यूजियम ऑफ रॉक आर्ट' उन म्यूजियम में से है, जहां पत्थर की नक्काशीदार वस्तुओं को रखा गया है। येल रोड पर स्थित इस म्यूजियम में रखी वस्तुओं के बारे में कहा जाता है कि उसमें से कुछ वस्तुएं तो आदिमानवों की भी है।

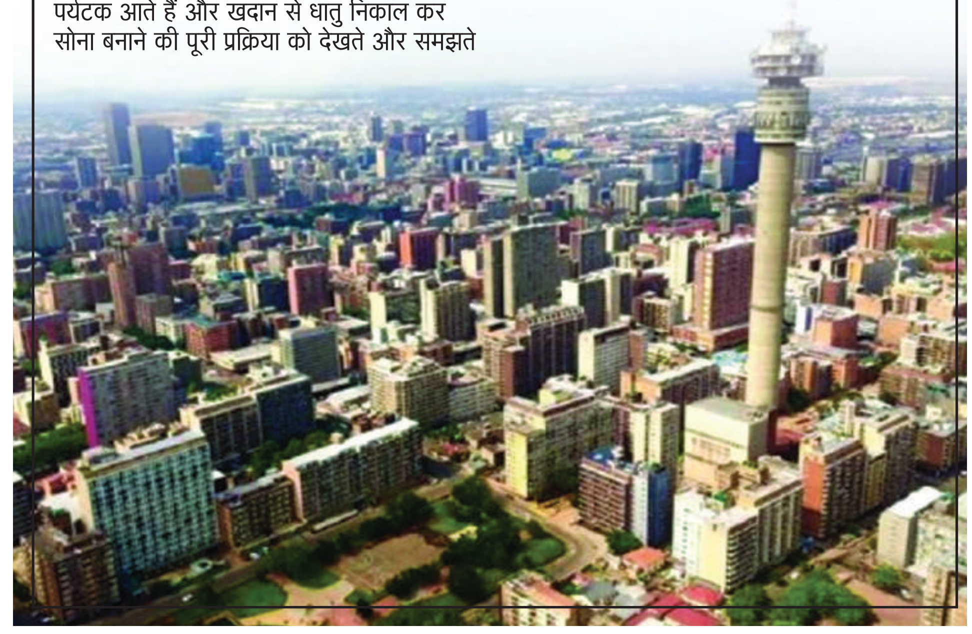

वसंत उत्सव

अब हर साल वसंत उत्सव इसी तरह राजमहल में ही मनाया जाने लगा। मगर अब वह तीन दिन के स्थान पर दो दिन का रह गया था। तीसरे दिन, मुरझाने से पूर्व फूल उतारकर फेंक दिए जाते और उत्सव समाप्त हो जाता था।

चंद्रनगर के विक्रमसिंह पराक्रमी एवं उदार दिल वाले राजा थे। उनका राज्य चंद्रनगर धरती पर स्वर्ग जैसा था। प्रजा बहुत सुखी थी। किसी को कोई भी अभाव न था।
चंद्रनगर की प्रसिद्धि का एक और कारण था। वह था वहां का वसंत उत्सव। राजा विक्रमसिंह को तो फूलों से बेहद प्यार था ही, उनकी प्रजा भी इस उत्सव को पूरे मन से मनाती थी।
तीन दिन तक चलने वाला यह उत्सव हर साल मनाया जाता था। वसंत आगमन से कुछ समय पूर्व प्रजा स्वयं अपने हाथों से क्यारियां बनाती, पौधे लगाती। हर रोज पूजा-अर्चना के साथ उन्हें जल से सींचती। प्रत्येक नगरवासी का अपने घर-आंगन एवं निकट के उद्यान से बहुत लगाव हो जाता था। इन तीन दिनों में राज्य के हर उद्यान में रंग-बिरंगे फूल खिले रहते थे। इस तरह के असंख्य पौधों को साथ-साथ देखकर लगता था, मानो प्रकृति ने धरती पर सतरंगी चादर बिछा दी हो।
राजा विक्रमसिंह अपने दरबारियों के साथ तीनों दिन प्रजा के बीच रहते। प्रजा द्वारा उगाए फूलों की साज-सज्जा के अनुसार पुरस्कार देते और सराहना करते थे। इस बार के उत्सव का आज आखिरी दिन था। सारे नगरवासी खुशी में झूम रहे थे। उत्सव समाप्त हुआ, तो राजा ने अचानक घोषणा कर दी, अगले साल यह उत्सव नगर में नहीं, राजमहल में मनाया जाएगाा और प्रजा भी उसमें भाग लेगी।
प्रजा ने प्रसन्नता प्रकट की। सबको लगा कि जब यह उत्सव राजकीय स्तर पर मनाया जाएगा, तो और भी अच्छा होगा।
समय बीतते देर नहीं लगी। वसंत उत्सव का दिन भी निकट आने लगा और प्रजा बेसब्री से आयोजन का इंतजार करने लगी। लेकिन इस बार भी प्रजा ने अपने स्वभाववश, अपने-अपने आंगन में और निकट के बगीचों में फूलों को उगाया था।
उधर राजमहल में उत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही थीं। उत्सव का आयोजन मंत्री के कंधों पर था। उसकी इच्छा थी कि आयोजन ऐसा हो कि लोग देखते रह जाएं। राजा चाहते थे कि उत्सव के दिन समूचा राजमहल फूलों से ढक दिया जाए। किंतु इतने फूल कहां से आएंगे?
वसंत का आगमन हुआ। नगर में चारों ओर फूल ही फूल खिले थे। क्या घर, क्या उद्यान, क्या आंगन, सब तरफ सतरंगे फूल दिखाई दे रहे थे।।
अचानक राजा ने आज्ञा दी, राज्य में जहां कहीं भी फूल खिले हों, उन्हें तोड़ लिया जाए। उन फूलों से राजमहल को इतना सजाया जाए कि लोग वर्षों तक याद रखें।
मंत्री ने कहा, महाराज! इसका शुभारंभ इस बार आपके द्वारा नगर के किसी उद्यान में से एक फूल तोड़कर, उसे महल में सुसज्जित कर देने से किया जाए, तो अच्छा रहेगा।
राजा को यह बात पसंद आ गई। वह रथ पर सवार होकर नगर के प्रमुख उद्यान में गए। एक सुंदर सा फूल उन्होंने स्वयं अपने हाथ से तोड़ा और उसे लेकर राजमहल में आ गए। राज्य के मुख्य द्वार पर उसे सजा दिया।
सभी राजकर्मचारियों ने और नगरवासियों ने हर्ष-ध्वनि की। राजा की जय के नारे लगाए।
राजा ने फूल अपने महल में सजाकर, वसंत उत्सव का शुभारंभ कर दिया था।
अब देखते ही देखते राजकर्मचारी नगर में जहां कहीं भी फूल देखते, उन्हें तोड़कर और टोकरियों में भर-भरकर लाने लगे और राजमहल को सजाने लगे। कहीं कोई फूल नहीं बचा। लेकिन राजमहल फूलों की सुगंध से भर उठा। ऐसा लगा जैसे यहां वसंत देवता का वास हो गया हो।
सारा नगर राजमहल में उमड़ पड़ा। राजमहल की फूलों से सजावट देखकर, लोग दांतों तले उंगलियां दबाने लगे।
उत्सव का दूसरा दिन भी हंसी-खुशी से बीत गया। तीसरा दिन आया, तो राजमहल में सजे फूलों में उतनी सुगंध नहीं रह गई थी। तीन दिन में ही वे सब मुरझा गए थे। राजमहल पर टंगे, उन मुरझाए फूलों से महल भी बदरंग दिखाई देने लगा। राजा के साथ-साथ लोगों के मुख भी मुरझा गए। उन्होंने बहुत भारी मन से तीसरे दिन के उत्सव में भाग लिया।
अब हर साल वसंत उत्सव इसी तरह राजमहल में ही मनाया जाने लगा। मगर अब वह तीन दिन के स्थान पर दो दिन का रह गया था। तीसरे दिन, मुरझाने से पूर्व फूल उतारकर फेंक दिए जाते और उत्सव समाप्त हो जाता था।
धीरे-धीरे लोगों के मन में इस उत्सव के प्रति उत्साह कम होने लगा। अब वे अपने आसपास फूल उगाने में कोताही बरतने लगे। पहले फूल कई-कई दिन तक डालों पर मुसकाते रहते थे, किंतु अब उत्सव के दिन से ही कहीं कोई फूल दिखाई ही न देता था। प्रजा का उत्साह ऐसा कम हुआ कि एक बार वसंत के अवसर पर, राज्य में कहीं कोई सतरंगी फूल नहीं खिला।
राजा को चिंता हुई। यदि फूल नहीं उगेंगे, तो यह उत्सव कैसे मनाया जाएगा! लोगों ने भी बड़ी कोशिश की लेकिन फूल उगाने के लिए उनमें उत्साह समाप्त हो चुका था। राजा की चिंता दिनोदिन बढ़ती गई।
राजा ने कई मालियों को बुलाया। दूसरे राज्यों से भी इनाम के लालच में लोगों को बुलवाया गया, लेकिन कोई भी सतरंगे फूलों को उगाने में सफल न हो सका। राजा ने अनेक पूजा अनुष्ठान भी किए, किंतु उद्यान तो अपनी सुंदरता खो चुके थे। अब वसंत आने पर भी कोई फूल नहीं मिलेगा, ऐसा राजा को महसूस हुआ, तो वह कांप उठे।
एक दिन राजा अपने सिंहासन पर उदास मन से बैठे सोच रहे थे कि मंत्री ने कहा, महाराज, एक साधु आए हैं। वह आपसे मिलना चाहते हैं।
राजा ने साधु को बुलवाया। साधु को राजा का चिंतामग्न रहना अच्छा नहीं लगा। उन्होंने पूरी बात जानकर राजा से कहा, मैं आपके चंद्रनगर को फिर से फूलों भरा बना सकता हूं।
राजा के शरीर में जैसे जान आ गई। वह सिंहासन से तत्काल उतरकर साधु के पास आए और बेसब्री से पूछा, कैसे?
मेरे पास उपाय है।
कैसा उपाय? आप जल्दी उपाय बताइए। जल्दी ही मेरी नगरी को फूलों से भर दीजिए।
लेकिन राजन, आपको मेरा साथ देना होगा।
मुझे मंजूर है। आप जो कहेंगे, वही मैं करूंगा।
साधु ने हवन सामग्री मंगवाई और यज्ञ प्रारंभ किया। यज्ञ एक महीने तक चलना था। रोज राजा को यज्ञ में आहुति देनी थी। राजा साधु के आदेशानुसार यज्ञ में आहुति देते। राजमहल के उद्यान के एक कोने में क्यारी सी बनाकर गुलाब के पौधे को सींचते भी थे। उधर यज्ञ अपनी चरम अवस्था में था और आश्चर्य! उद्यान में उस कलम में से पत्ते निकलने लगे थे। देखते ही देखते कुछ ही दिनों में उसमें गुलाब के फूल खिलने लगे।
आज यज्ञ की समाप्ति का दिन था। साधु महाराज ने कहा, राजन! अब अंतिम आहुति है। उठिए। जाकर वे फूल तोड़कर ले आइए, जो आपने अपनी मेहनत से सींचकर इतने बड़े किए हैं।
राजा उठे। फूलों के पास पहुंचे। उन्हें तोड़ने के लिए हाथ आगे बढ़ाना चाहा, किंतु उनका हाथ उठ ही नहीं रहा था। उन्होंने दोबारा कोशिश की, लेकिन इस बार भी सफल नहीं हुए। उन्हें लगा, इतने दिनों तक अपने हाथों से सींचकर जिन फूलों को इतना बड़ा किया है, उन्हें तोड़ना ठीक नहीं है।
राजा को सोच में डूबा देखकर, साधु बोले, महाराज! जिन फूलों को इतने दिनों तक आपने अपने हाथों सींचा है, उन्हें तोड़कर इस यज्ञ में डाल देने से कष्ट हो रहा है? लेकिन दूसरों के उद्यानों में अन्य लोगों की मेहनत से लगे फूलों को तोड़ने में तो आपको कभी कोई कष्ट न हुआ।
राजा की आंखें खुल गईं। अब सारी बात उनकी समझ में आ गई। वह साधु के पैरों पर गिर पड़े। क्षमा मांगने लगे।
राजा ने घोषणा की कि अब से नगरवासी स्वयं वसंत उत्सव मनाएंगे। कोई भी राजकर्मचारी फूलों को नहीं तोड़ेगा। ऐसा करने वाले को सजा दी जाएगी।

भाजपा स्थापना दिवस पर मोदी के निशाने पर विपक्षःबोले-

देश में आज दो तरह की राजनीति, एक परिवार भक्ति की और एक राष्ट्र भक्ति की

नई दिल्ली

भाजपा के 42वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मोदी ने अपनी वर्चुअल स्पीच में कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे आजादी के अमृत महोत्सव को कर्तव्यकाल में बदल दें। इस मौके पर उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा। मोदी ने कहा कि आज देश में दो तरह की राजनीति चल रही है। एक परिवार भक्ति की और एक राष्ट्र भक्ति की। मोदी ने हाल ही में 5 राज्यों में हुए चुनाव का भी जिक्र किया और कहा- 4 राज्यों में भाजपा सरकार की वापसी से कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और ज्यादा बढ़ गई है। स्पीच की शुरुआत में उन्होंने आज के दिन को नवरात्रि से जोड़ा और कहा कि स्कंदमाता का आशीर्वाद हमेशा पार्टी और कार्यकर्ताओं पर बना रहे।

स्थापना दिवस के अहम होने के 3 कारण बताए

मोदी ने कहा- जनसंघ से लेकर भाजपा तक पार्टी के निर्माण में खुद को खपाने वाले महापुरुषों को नमन करता हूं। आज का स्थापना दिवस तीन वजहों से अहम है। इस समय हम देश की आजादी के 75 साल का जश्न मना रहे हैं। ये प्रेरणा का बहुत बड़ा अवसर है। दूसरा- तेजी से बदलती हुई वैश्विक परिस्थितियां। तीसरा- 4 राज्यों में भाजपा के डबल इंजिन की सरकार वापस लौटी। तीन दशक बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या 100 तक पहुंची है।

अमृतकाल भाजपा कार्यकर्ता के लिए कर्तव्य काल है

प्रधानमंत्री बोले कि भाजपा का दायित्व, कार्यकर्ताओं का दायित्व लगातार बढ़ रहा है। इसलिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता देश के सपनों का प्रतिनिधि है। इस अमृतकाल में भारत की सोच आत्मनिर्भरता की है। लोकल को ग्लोबल बनाने की है। सामाजिक न्याय की है। समरसता की है। इन्हीं संकल्पों को लेकर विचार के रूप में हमारी पार्टी की स्थापना हुई। ये अमृतकाल हमारे कार्यकर्ता के लिए कर्तव्य काल है। हमें देश के संकल्पों के साथ निरंतर जुड़े रहना है और खुद को खपा देना है। पीएम ने कहा- एक समय था जब लोगों ने मान लिया था कि सरकार किसी की भी आए, लेकिन देश का कुछ नहीं हो पाएगा। निराशा ही निराशा थी। देश का एक-एक जन गर्व से यह कह रहा है कि देश बदल रहा है।

भारत बोला बूचा हत्याकांड की जांच हो

एनएससी की बैठक में रूस का नाम लिए बिना की हत्याओं की निंदा

नागरिकों की मौत वाली रिपोर्ट्स को बताया परेशान करने वाला

नई दिल्ली

भारत ने यूक्रेन के बूचा में नागरिकों की मौत की निंदा की है। साथ ही घटना की स्वतंत्र जांच के आह्वान का समर्थन किया। जंग के बाद यह पहली बार है जब भारत ने रूस पर आरोप लगाने पर रोक लगा दी है। राजधानी कीव के पास बूचा शहर की सड़क पर 400 से ज्यादा लाशें पड़ी मिलीं। इन सभी लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

बूचा की रिपोर्ट परेशान करने वाले

संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने एनएससी का बैठक में नागरिकों के मारे जाने संबंधी खबरों को बेहद परेशान करने वाला बताया। उन्होंने कहा- बूचा में नागरिकों की मौत वाली खबरें काफी परेशान करने वाली हैं। भारत बूचा हत्याओं की निंदा करता है और एक स्वतंत्र जांच के आह्वान का समर्थन करता है। हालांकि इस दौरान उन्होंने रूस का नाम नहीं लिया।

कूटनीति ही एकमात्र रास्ता

यूक्रेन जंग पर तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत जंग और शत्रुता खत्म करने के अपने आह्वान को दोहराता है। उन्होंने कहा कि जब निर्दोष लोगों की जान दाव पर लगी हो तो सिर्फ कूटनीति ही एकमात्र विकल्प रह जाता है।

बूचा में नरसंहार से रूस का इंकार

यूक्रेन के बूचा में अब तक का सबसे बड़ा नरसंहार सामने आया है। यूक्रेन का दावा है कि रूसी सैनिकों ने यहां 400 से ज्यादा लोगों को मौत के घाट उतार दिया। हालांकि, रूस की ओर से इसका खंडन किया गया है। लेकिन लगभग एक महीने से सड़कों पर खुले पड़े लोगों के शवों की तस्वीरें और वीडियो सामने आए हैं। सैटेलाइट तस्वीरें रूस के उस दावे का खंडन करती हैं जिसमें कहा गया कि यूक्रेन लोगों की हत्या का नाटक कर रहा है। जेलेंस्की ने पहली बार एनएससी को किया संबोधित यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने मंगलवार को पहली बार एनएससी की बैठक को संबोधित किया। जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध अपराधों के लिए रूसी सेना को तुरंत न्याय के दायरे में लाया जाना चाहिए। वीडियो के जरिए अपने संबोधन में जेलेंस्की ने रूस के सैनिकों पर दूसरे विश्व युद्ध के बाद से सबसे बर्बर अत्याचार करने का आरोप लगाया और कहा कि वे ISIS जैसे आतंकवादियों से अलग नहीं हैं।

मानवीय सहायता देने के लिए तैयार भारत

टीएस तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत ने यूक्रेनियों की मानवीय जरूरतों पर जोर दिया और हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय मानवीय जरूरतों के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया देना जारी रखेगा। उन्होंने कहा- यूक्रेन में गंभीर मानवीय स्थिति को ध्यान में रखते हुए, भारत यूक्रेन और उसके पड़ोसियों को मानवीय मदद भेज रहा है, जिसमें दवाएं और अन्य आवश्यक राहत सामग्री शामिल हैं। हम आने वाले दिनों में यूक्रेन को और ज्यादा चिकित्सा आपूर्ति देने के लिए तैयार हैं।

इमरान खान के सांसद ने ही उन्हें बताया गद्दारःआमिर लियाकत बोले-

इमरान ने फौज में बगावत की साजिश रची, टीवी पर झूठ बोला, उनका खत जाली

इस्लामाबाद

इमरान खान की सत्ता पर पकड़ कमजोर पड़ते ही एक के बाद एक उनके साथी बागी रुख अख्तियार करते जा रहे हैं। इस फेहरिस्त में सबसे नया नाम क्क्ष्ढ्ढ सांसद आमिर लियाकत का है। कभी इमरान खान के कसीदे पढ़ते न थकने वाले आमिर अब उन्हें गद्दार बता रहे हैं। आमिर ने हाल ही में एक वीडियो जारी कर इमरान पर जमकर निशाना साधा है। आमिर ने कहा- खान साहब मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम में से कोई गद्दार नहीं है। आपने नेशनल असेंबली के मेंबर्स को गद्दार करार दे दिया और

वोटिंग वाले दिन तो मैं वहां था भी नहीं। मैं तो दिल की परेशानी की वजह से हॉस्पिटल में था।

इमरान ने जनरल बाजवा को हटाने की साजिश रची:- इसके बाद आमिर ने तैस में कहा- मैंने तो वोट दिया ही नहीं, लेकिन अब दूंगा। कल तक तुम्हारे (इमरान) साथ था गद्दार, अब उनके साथ हूं जो गद्दार नहीं है। तुमने जनरल बाजवा को हटाने की साजिश की। मैं गवाही देता हूं कि तुमने मुझसे इस बारे में बात की थी। मैं बहुत कुछ जानता हूं अगर बता दिया तो कयामत आ जाएगी। मैं तुम्हारी तरह नहीं हूं जो टीवी पर आकर राज खोलता फिरे, झूठे खत लहराता फिरे। जाली खत है वो। इस साजिश में शाह महमूद कुरैशी भी शामिल है। तुमने फौज में बगावत कराने की कोशिश की। तुम कोर कमांडर को आगे लाकर आर्मी चीफ को हटाना चाहते थे। आमिर लियाकत पाकिस्तान के मशहूर होस्ट टीवी होस्ट और इमरान खान की पार्टी तहरीक ए इंसाफ के सांसद हैं। आमिर अपने ऊल जलूल बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। भारत में लोग उन्हें उनके मीम की वजह से ज्यादा जानते हैं। 49 साल के आमिर लियाकत ने हाल ही में 18 साल की सैयदा दानिया शाह से तीसरा निकाह किया था। जिसके बाद उन्हें काफी ज्यादा ट्रोल किया गया था। कुछ मीडिया मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि दानिया निकाह के वक्त स्कूल में ही पढ़ रही थीं।

न्यूज ब्रीफ

हिजाब विवाद पर अल कायदा सरगना बोला - हिजाब पहनना मुसलमानों का हक; हम उनके साथ

वाशिंगटन। कर्नाटक हिजाब विवाद में आतंकी संगठन अल कायदा भी कूद पड़ा है। अल कायदा सरगना अल-जवाहिरी ने वीडियो जारी कर कहा कि हिजाब विवाद पर दुनियाभर के मुसलमान उन लड़कियों का खुलकर सपोर्ट करें, जो इसको पहनने के लिए लड़ रही हैं। डेली मेल की वेबसाइट पर मौजूद 9 मिनट के इस वीडियो में जवाहिरी ने कहा- भारत के हिंदू लोकतंत्र में मुसलमानों पर अत्याचार हो रहा है। उसने कर्नाटक हिजाब विवाद के दौरान सुर्खियों में आई मुस्कान को महान गर्ल बताया।

फ्रांस, मिस्त्र और हॉलैंड को बताया इस्लाम विरोधी देश:- अल कायदा सरगना ने कहा कि फ्रांस, मिस्त्र और हॉलैंड इस्लाम विरोधी देश है। जवाहिरी ने इस दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश को भी जमकर लताड़ा। 2021 के बाद जवाहिरी का यह वीडियो दुनियाभर में सामने आया है। वीडियो आने के बाद अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसी भी हरकत में आ गई है। जवाहिरी अमेरिका के 9/11 हमले के आरोपी है। जवाहिरी ने अमेरिकी हमले में ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद संगठन की कमान अपने हाथ में ली थी। इजिप्ट का रहने वाला जवाहिरी आंखों का डॉक्टर था। 2011 में वह अल कायदा का मुखिया बना। दुनिया भर में कई जगह हुए आतंकी हमलों के पीछे उसका हाथ माना जाता है। 15 साल की उम्र में जवाहिरी को पहली बार गिरफ्तार किया गया था। 1974 में उसने केयरो यूनिवर्सिटी के मेडिकल स्कूल से ग्रेजुएशन किया था। यहां उसके पिता प्रोफेसर थे। कर्नाटक हाईकोर्ट से मामला खारिज होने के बाद हिजाब का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट में यह मामला 24 मार्च को लगी थी, जिस पर सुनते हुए CJI ने कहा था कि इसे सनसनीखेज मत बनाओ।

बंगाल के बर्दवान में बीरभूम जैसी हिंसा

रंजिश में एक व्यक्ति की मौत के बाद गलसी में हिंसक झड़प, कई घर जले; 31 अरेस्ट

बंगाल

पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्दवान जिले के गलसी में बीरभूम जैसी घटना सामने आई है। पुलिस के मुताबिक- सोमवार की रात आपसी रंजिश में एक व्यक्ति की हत्याकर दी गई। हत्या के बाद जैसे ही गांव में डेथ बॉडी आया हिंसा भड़क उठी, हिंसा के दौरान कई घरों में आग लगा दी गई। घटना के बाद गांव में RAF जवानों की तैनाती की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक- पूर्वी बर्दवान में मनोज घोष और उत्पल घोष के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद मनोज ने उत्पल की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को बताया- जैसे ही उत्पल का शव गांव आया, वहां पर हिंसा भड़क गई। उत्पल के रिश्तेदारों ने मनोज और उनके पड़ोसियों के घरों में आग लगा दी। साथ ही आसपास के कार और बाइक को भी उग्र भीड़ ने फूंक दिया। घटना के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गई हैपुलिस ने अब तक 31 आरोपियों को हिंसा भड़काने के मामले में दबोचा है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। गांव में क्रन्न जवानों की तैनाती की गई है। पूर्व बर्दवान के स्क्रकामनाशीष सेन ने बताया कि हत्या के बाद

ही आरोपी मनोज घोष को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। वहीं, हिंसा भड़काने वालों की भी गिरफ्तारी की जा रही है। हम किसी भी दोषी को नहीं बख्शेंगे। गलसी में हिंसा के बाद गांव के लोग घर छोड़ कर भाग गए हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस की गिरफ्तारी और आगजनी के डर से लोग घर छोड़ भागे हैं। वहीं, मौके पर पहुंचे पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि हम यहां शांति स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। लोगों को समझा रहे हैं।

इमरान की पत्नी बुशरा बीबी की करीबी दोस्त भागी दुबई

गिरफ्तारी के डर से छोड़ा मुल्क, अरबों रुपए के घोटाले करने का है आरोप

इस्लामाबाद

पाकिस्तान में राजनीतिक उठापटक जारी है। इसी बीच इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की करीबी दोस्त की मुल्क छोड़कर भाग जाने की खबर सामने आई है। सोशल मीडिया पर फराह खान की एक तस्वीर वायरल हो रही है। इसमें वह एक फ्लाइट में बैठी नजर आ रही हैं।

करीब 90 हजार डॉलर लेकर भागी फराह खान

रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर पाकिस्तान में नई सरकार बनती है तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। माना जा रहा है कि बुशरा बीबी की करीबी दोस्त फराह खान दुबई भाग गई हैं। खास बात तो ये है कि वह करीब 90 हजार डॉलर (67 लाख भारतीय रुपए या 1.66 करोड़ पाकिस्तानी रुपए) लेकर भागी हैं।

दरअसल वायरल फोटो में जो बैग दिख रहा है, उसकी कीमत 90 हजार डॉलर बताई जा रही है। इतना ही नहीं रिपोर्ट्स में कहा गया कि वह 3 अप्रैल को दुबई पहुंची। इसी दिन इमरान खान ने नेशनल असेंबली को भंग कर दिया था और विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को स्पीकर ने खारिज कर दिया था।

विपक्ष ने लगाए घोटाले के आरोप

जियो न्यूज के मुताबिक, PML-N नेता और पूर्व वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने कहा कि फराह ने पंजाब प्रांत के अफसरों का तबादला कराने और उन्हें मनचाही तैनाती दिलाने के एवज में मोटी रकम वसूली है। विपक्ष का आरोप है कि यह छह अरब पाकिस्तानी रुपयों का बड़ा घोटाला है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) की उपाध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज ने दावा किया कि फराह ने इमरान खान और उनकी पत्नी के इशारे पर यह भ्रष्टाचार किया है।

श्रीलंका में आपातकाल

राष्ट्रपति गोटबाया ने 5 दिन बाद आधी रात को हटाई इमरजेंसी, देश भर में चीन के खिलाफ प्रदर्शन

कोलंबो

श्रीलंका में बिगड़ते हालाते के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने मंगलवार की आधी रात को इमरजेंसी हटाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने 1 अप्रैल को ही देश में इमरजेंसी लगाने का फैसला किया था। इसके बाद से ही उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा था। मंगलवार शाम को भी हजारों स्टूडेंट्स ने राजधानी कोलंबो में भारी बारिश के बीच प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के घर तक मार्च निकाला था। लगातार गहराते आर्थिक संकट के बीच देशभर में चीन के खिलाफ भी लोगों को गुस्सा बढ़ता जा रहा है। श्रीलंकाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सरकार के पास पैसा नहीं है, क्योंकि उसने चीन को सब कुछ बेच दिया है। चीन दूसरे देशों को उधार देकर उनका सब कुछ खरीद ले रहा है।

सेना और पुलिस ने कहा- सख्त एक्शन लेंगे:- श्रीलंकाई सेना ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। सेना ने मंगलवार को

एक बयान जारी कर कहा, विरोध के नाम पर हिंसा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। श्रीलंका के रक्षा सचिव, जनरल कमल गुणरत्ने ने लोगों से हिंसा से दूर रहने की अपील की। इधर, श्रीलंका की पुलिस ने भी प्रदर्शनकारियों को कानून नहीं तोड़ने की चेतावनी दी है। अब तक 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रदर्शनकारियों को पकड़ने के लिए CCTV की मदद ली जा रही है।

06 से 08 अप्रैल तक 6.5 घंटे तक की बिजली कटौती

श्रीलंका में 06 अप्रैल से 08 अप्रैल तक 6.5 घंटे तक की बिजली कटौती को मंजूरी दी गई है। पब्लिक यूटिलिटी कमीशन के चेयरमैन जनक रत्नायके का कहना है कि भारत से उधार लिए गए पैसे से फ्यूल इंपोर्ट करने के लिए फॉरेन रिजर्व की कमी को अस्थायी रूप से कम किया गया है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

कृपाल सिंह ने 22 साल पुराना चक्का फेंक मीट रिकॉर्ड तोड़ा

कोझिकोड। कृपाल सिंह बी ने 25वीं एएफआई राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 61.83 मीटर के प्रयास से 22 साल पुराना पुरूष चक्का फेंक रिकॉर्ड तोड़ दिया। कृपाल सिंह का पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन छह साल पहले 59.74 मीटर था। उन्होंने दो बार 61 मीटर से ऊपर की दूरी तय की। उनका 61.83 मीटर का रिकॉर्ड 62 मीटर चक्का फेंकने वाला तीसरा भारतीय पुरूष एथलीट बनाने से कम रह गया। अनिल कुमार का पुराना रिकॉर्ड 59.55 मीटर का था। दिल्ली की चंदा ने महिलाओं की 800 मीटर में 2.02.11 सेकेंड के समय से पहला स्थान हासिल किया। वहीं पश्चिम बंगाल की लिली दास दूसरे स्थान पर रही और वह एशियाई खेलों के भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के क्वालीफाइंग समय से बेहतर करने में भी सफल रही। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता स्वप्ना बर्मन ने अपना हेप्टाथलन खिताब बरकरार रखा, उन्होंने 5,800 अंक जुटाए जिससे वह दूसरे स्थान पर रहने वाली मरीना जॉर्ज से 551 अंक आगे रहीं। पोल वॉल्ट में 4 एथलीट 4.90 मीटर की छलांग लगाने में सफल रहे जिसमें एस शिवा और गोकुल नाथ दोनों को स्वर्ण पदक दिया गया जबकि ए जनाना सोन को कांस्य पदक मिला। उत्तर प्रदेश के दीपक यादव चौथे स्थान पर रहे।

सिंधू और श्रीकांत कोरिया ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

सुनचियोन। भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत ने पहले दौर के मुकाबलों में सीधे गेम में जीत के साथ बुधवार को यहां कोरिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अमेरिका के लॉरेन लैम को 21-15 21-14 से हराया जबकि श्रीकांत ने मलेशिया के डेरेन ल्यू को पाल्मा स्टेडियम में 22-20 21-11 से शिकस्त दी। हाल में स्विस ओपन का खिताब जीतने वाली तीसरी वरीय सिंधू अगले दौर में जापान की आया ओहोरी से भिड़ेंगी जबकि विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पांचवें वरीय श्रीकांत का सामना इजराइल के मिशा जिल्बरमैन से होगा। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी ने भी बा डा किम और ही यंग पार्क की कोरिया की जोड़ी के खिलाफ वाकओवर मिलने पर दूसरे दौर में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी का सामना अगले दौर में मोहम्मद अहसन और हेंद्रा सेतियावान की इंडोनेशिया की दूसरी वरीय जोड़ी से होगा। मंगलवार को विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन और तेजी से उभरती हुई खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने भी तीन गेम में जीत दर्ज करते हुए दूसरे दौर में जगह बनाई थी।

मैच में युजवेंद्र की पत्नी का दमदार रिएक्शन : चहल ने विकेट लिया तो चिल्लाते हुए झूमने लगीं धनश्री, पूरे मैच में रहीं सुपर एक्टिव

नई दिल्ली

आईपीएल 2022 में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स और बेंगलुरु के बीच मुकाबला खेला गया। आरसीबी ने ये मैच 4 विकेट से अपने नाम किया। राजस्थान भले ही मुकाबला हार गया, लेकिन टीम के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 15 रन दिए और 2 विकेट झटके। इस दौरान चहल की पत्नी धनश्री स्टैंड से अपने पति को जमकर चीयर करतीं नजर आईं। मैच के 9वें ओवर में चहल ने अपनी शानदार गेंद से डेविड विली को बोल्ड किया। इसके बाद धनश्री का रिएक्शन देखने लायक था। वो खुशी से झूमती हुई चिल्लाते हुए नजर आ रही थीं। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धनश्री राजस्थान के हर मैच में टीम को सपोर्ट करने आती हैं। वो टीम के साथ ही बायो-बबल में हैं।

हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में भी धनश्री ने किया था पति को सपोर्ट

आईपीएल 2022 का पहला मुकाबला राजस्थान ने हैदराबाद के खिलाफ खेला था। पहले ही मुकाबले में राजस्थान ने स्क्रा। को करारी शिकस्त दी थी। इस मैच में भी चहल की गेंदों ने कमाल किया था। उन्होंने 22 रन

देकर 3 विकेट झटके थे। वहीं, पूरे मैच के दौरान उनकी पत्नी धनश्री स्टैंड में मौजूद रहीं थी और पोज देती हुईं नजर आईं थी। उनके कई फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे।

प्रोफेशनल डांसर हैं धनश्री, यूट्यूब पर हैं फेमस

धनश्री वर्मा प्रोफेशनल डांसर हैं और उनका डांस से रिलेटेड एक यूट्यूब चैनल भी है। धनश्री अपने चैनल पर बॉलीवुड गानों को रीक्रिएट करती हैं। इसके अलावा वह हिप-हॉप की ट्रेनिंग भी देती हैं। धनश्री ने साल 2014 में डीवाई पाटिल डेंटल कॉलेज नवी मुंबई से पढ़ाई पूरी की है। आए दिन चहल और उनकी वाइफ धनश्री अपनी खूबसूरत फोटोज और वीडियो शेयर करते रहते हैं। दोनों ने दिसंबर 2020 में शादी की थी।

राजस्थान का अगला मुकाबला लखनऊ से

राजस्थान ने इस सीजन अब तक तीन मुकाबले खेले हैं। दो में टीम को जीत मिली है। वहीं, मंगलवार को टीम ने इस सीजन अपना पहला मुकाबला हारी है। अब राजस्थान अगला मैच 10 अप्रैल को लखनऊ के खिलाफ खेलेगी। लखनऊ ने भी इस सीजन अभी तक तीन मैच खेले हैं और उन्हें भी दो मुकाबलों में जीत और एक में हार का सामना करना पड़ा है।

आईपीएल राइट्स से बीसीसीआई कमाएगा 54 हजार करोड़

4 हिस्सों में बिकेंगे राइट्स; एपल, अमेजन सोनी जैसी कंपनियां नीलामी में उतरीं

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग के मीडिया राइट्स बेचकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड बंपर कमाई करने वाला है। 2023 से 2027 तक पांच सीजन के राइट्स की नीलामी से बोर्ड 7.2 बिलियन डॉलर (करीब 54 हजार करोड़ रुपए) की कमाई कर सकता है। अभी टेंडर डॉक्यूमेंट्स की बिक्री हो रही है। अब तक टीवी 18 वायकॉम, डिज्नी, सोनी, जी, अमेजन और एक अन्य कंपनी ने डॉक्यूमेंट्स खरीदे हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी कंपनी एपल भी जल्द ही डॉक्यूमेंट्स खरीद सकती है।

डॉक्यूमेंट 10 मई तक खरीदे जा सकते हैं

मीडिया राइट्स के टेंडर डॉक्यूमेंट्स 10 मई तक खरीदे जा सकते हैं। इसके बाद करीब एक महीने तक जमा किए गए डॉक्यूमेंट्स की जांच होगी और जून के दूसरे सप्ताह में नीलामी जीत कर राइट्स हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

चार अलग-अलग बकेट की होगी नीलामी

बीसीसीआई इस बार मीडिया राइट्स के चार अलग-अलग बकेट की नीलामी कर रहा है। पहला बकेट भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी राइट्स का है। दूसरा बकेट डिजिटल राइट्स का है। तीसरे बकेट में 18 मैच शामिल किए गए हैं। इन 18 मैचों में सीजन का पहला मैच, वीकएंड पर होने वाले हर डबल हेडर में शाम वाला मैच और चार प्लेऑफ मुकाबलों को रखा गया है। चौथे बकेट में भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के प्रसारण अधिकार शामिल हैं।

पहला	दूसरा	तीसरा	चौथा
भारतीय उपमहाद्वीप में टीवी राइट्स (सभी मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल राइट्स (सभी मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप में डिजिटल राइट्स (चुनिंदा मैच)	भारतीय उपमहाद्वीप के बाहर के प्रसारण अधिकार (सभी मैच)
तीसरे बकेट में कुल 18 मैच	सीजन का पहला मैच (1)	फ्लेऑफ गेम्स (4)	डबल हेडर में शाम वाले मैच (13)

बेस प्राइस 32,890 करोड़

बीसीसीआईने सभी चार बकेट को मिलाकर कुल 32,890 करोड़ रुपए का बेस प्राइस तय किया है। हर मैच के टेलिविजन राइट्स का बेस प्राइस 49 करोड़ रुपए तय किया है। वहीं, एक मैच के डिजिटल राइट्स का बेस प्राइस 33 करोड़ रुपए रखा गया है। 18 मैचों के क्लस्टर में हर मैच का बेस प्राइस 16 करोड़ रुपए है।

दो दिन होगी राइट्स की नीलामी

बोर्ड ने बताया है कि पहले और दूसरे बकेट की नीलामी एक दिन होगी। वहीं, तीसरे और चौथे बकेट की नीलामी उसके अगले दिन की जाएगी। यह प्रक्रिया ई-ऑक्शन के जरिए पूरी होगी। पहले बकेट की विजेता कंपनी को दूसरे बकेट के लिए दोबारा बोली लगाने की इजाजत होगी। यानी अगर दूसरा बकेट किसी और कंपनी ने खरीदा है तो पहला बकेट खरीदने वाली कंपनी उससे ज्यादा रकम देकर उसे हासिल कर सकती है। इसी तरह दूसरे बकेट की विजेता कंपनी को तीसरे बकेट के लिए फिर से बोली लगाने की इजाजत होगी।

भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी राइट्स भारतीय कंपनी को ही मिलेंगे

बीसीसीआईने बताया है कि भारतीय उपमहाद्वीप के टीवी राइट्स के लिए सिर्फ वही कंपनी बोली लगा सकती है जो भारत में रजिस्टर्ड ब्रॉडकास्टर हो और उसका नेटवर्थ 1 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो। दूसरे, तीसरे और चौथे बकेट के लिए बोली लगाने वाली कंपनी का नेटवर्थ कम से कम 500 करोड़ रुपए होना जरूरी है।

इंग्लैंड को लगा झटका

स्टोक्स की चोट बनी चिंता का कारण

लंदन

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी बेन स्टोक्स एक और चोट की चिंता से जूझ रहे हैं। इस 30 वर्षीय क्रिकेटर ने कहा कि कैरेबियाई दौरे के दौरान उनके घुटने में दर्द का अनुभव होने के बाद स्कैन होना तय है। जो रूट के नेतृत्व में इंग्लैंड टेस्ट टीम हाल ही में वेस्टइंडीज में तीन मैचों की श्रृंखला हार गई जिसमें मेजबान टीम ने ग्रेनाडा में आखिरी मैच 10 विकेट से जीता था। स्टोक्स ने श्रृंखला में 99 ओवर गेंदबाजी की। एक रिपोर्ट में कहा गया है जब तक चोट की गंभीरता का खुलासा नहीं हो जाता, तब तक वह कोई योजना नहीं बना सकते। इंग्लैंड का गर्मियों में कार्यक्रम वयस्त है। उन्हें न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के साथ-साथ भारत के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट की मेजबानी करनी है और स्टोक्स की फिटनेस टीम की सफलता की कुंजी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टोक्स के घुटने का स्कैन होगा। स्टोक्स ने कहा, कैरिबियन में मेरे घुटने में समस्या थी, मैं उसका स्कैन करवा रहा हूं इसलिए जब तक हम नहीं जानते कि क्या हो रहा है, तब तक कोई योजना नहीं बना सकता। इंग्लैंड के उप-कप्तान को भी एशेज के दौरान एक साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था और वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती टेस्ट में गेंदबाजी करने की उम्मीद नहीं थी लेकिन तीन टेस्ट मैचों में 99 ओवर डाले जो किसी भी अंग्रेजी तेज गेंदबाज द्वारा सबसे अधिक थे।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान से जीता एकमात्र टी-20 मैच, बाबर का अर्धशतक गया बेकार

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए एकमात्र टी-20 मैच को जीत लिया है। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए बाबर आजम के अर्धशतक की बदौलत 20 ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 162रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया टीम ने कप्तान एरोन फिंच के अर्धशतक की बदौलत जीत हासिल कर ली। इससे पहले पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने पारी की बेहतरीन शुरूआत की थी। रिजवान ने

जहां 19 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 19 रन बनाए तो बाबर ने 46 गेंदों में छह चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए। पाकिस्तान के फखर जमा शून्य पर ही पवेलियन लौट गए तो अहमद ने 13 तो खुशदिल ने 24 रनों का योगदन दिया। पाकिस्तान टीम एक समय 200 पार जाती दिख रही थी लेकिन तभी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज नाथन एलिस ने चार विकेट निकालकर पाकिस्तान के स्कोर पर ब्रेक लगा दी। एलिस के अलावा कैमरून ग्रीन ने दो विकेट निकालकर पाकिस्तान को 162 रनों तक रोक लिया। जवाब में खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम को कप्तान एरोन फिंच और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरूआत दी। वनडे सीरीज में धमाकेदार प्रदर्शन करने वाले ट्रेविस ने 14 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए।

मुमताज की हैट्रिक से मलेशिया को 4-0 से हराकर भारत शीर्ष पर, क्वार्टर फाइनल में कोरिया से भिड़ंत

पोटचेफ्सट्रूम

मुमताज खान की हैट्रिक से भारतीय महिला हॉकी टीम ने मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर विश्व कप में पूल डी के अपने अंतिम मैच में मलेशिया को 4-0 से हराकर अपना विजयी अभियान जारी रखा। मंगलवार के मुकाबले से पहले ही क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने से चूके भारत की ओर से मुमताज (10वें, 26वें और 59वें मिनट) के तीन गोल के अलावा संगीता कुमारी (11वें मिनट) ने एक गोल दागा। भारत इस तरह पूल डी में तीन मैचों में तीन जीत से नौ अंक जुटाकर शीर्ष पर रहा। भारत ने इससे पहले वेल्स को 5-1 जबकि जर्मनी की मजबूत टीम को 2-1 से हराया था। नॉकआउट में पहले ही जगह पक्की करने के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में दबदबा बनाए

रखा। टीम को इसका फायदा 10वें मिनट में मिला जब मलेशिया की डिफेंडर से टकराकर आई गेंद को मुमताज ने गोल में पहुंचाया। भारत ने एक मिनट बाद अपनी बढ़त दोगुनी कर ली जब लालरिंदिकी के क्रॉस पर संगीता ने गोल दागा। भारत को इसके बाद लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इसका फायदा नहीं उठा सकी। मुमताज ने 26वें मिनट में एक और गोल दागा जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था। भारत को तीसरे क्वार्टर में कुछ और पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन टीम इन्हें गोल में बदलने में नाकाम रही। मैच में जब 10 मिनट का खेल बाकी था तब मलेशिया को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारत की दूसरी पसंद गोलकीपर खुशबू ने विरोधी टीम के प्रयासों को विफल कर दिया। भारत को इसके बाद अपना सातवां पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन एक बार फिर टीम के हाथ नाकामी ही लगी। भारत ने मैच खत्म होने से एक मिनट पहले स्कोर 4-0 कर दिया जब मुमताज ने ब्यूटी डुंग डुंग के पास को गोल में पहुंचाया। भारत शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022

Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

टिकट बिक्री से बढ़ी आईपीएल की कमाई

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में दो साल के बाद सुधार दिख रहा है और मैच के दिन होने वाली कमाई में भी बढ़ोतरी दिख रही है। अब खेल के मैदान में भी दर्शक मैच का लुत्फ उठाते हुए नजर आ रहे हैं और वहां चीयर लीडर्स भी लोगों का उत्साह बढ़ा रही हैं। स्टेडियम में दर्शकों की सीमा 25 फीसदी तक तय की गई है और सूत्रों के मुताबिक टी20 टूर्नामेंट का आयोजन करने वाले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी आने वाले हफ्ते में स्टेडियम की क्षमता के लिहाज से दर्शकों की तादाद बढ़ाकर 25 फीसदी तक करने पर विचार किया है। वर्ष 2020 में आईपीएल का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हुआ था जबकि कोविड-19 के मामलों में तेजी आने की वजह से 2021 के टी20 टूर्नामेंट की वजह से मई में इसे रद्द करना पड़ा। इसके बाद टूर्नामेंट सितंबर-अक्टूबर में आयोजित किए गए। इस साल भी आईपीएल के मैच केवल मुंबई और पुणे के केवल चार स्टेडियमों में होंगे जिनमें मुंबई के वानखेडे स्टेडियम और ब्राबॉर्न स्टेडियम, नवी मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम और पुणे का एमसीए स्टेडियम शामिल है। मीडिया के सूत्रों का कहना है कि टिकट में बढ़ोतरी के बावजूद मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर और कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मैच के टिकट की बिक्री हो गई। इस साल आईपीएल के लिए टिकट की बिक्री हर मैच के लिए स्टेडियम के लिहाज से करीब 800 रुपये से लेकर 8,000 रुपये तक रही है। कोविड-19 से पहले आईपीएल की टिकट की कीमत 400-500 रुपये प्रति मैच रही है। ब्रोकिंग कंपनी इलारा कैपिटल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) करण तौरानी का कहना है कि तेज मांग की वजह से टीमों की कमाई में भी तेजी आई है।

रेलवे कर रहा 1,00,000 वैगन खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली। कोयले की ढुलाई की मांग बढने् व माल ढुलाई बास्केट के आक्रामक विविधीकरण को देखते हुए भारतीय रेलवे अगले 3 वित्त वर्षों में 1,00,000 और वैगन खरीदने पर विचार कर रहा है। रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खरीद योजना में ज्यादातर बॉक?स एन वैगन होंगे, जिनका इस्तेमाल कोयले की ढुलाई में होता है। उल्लेखनीय है कि रेलवे ने हाल ही में वैगन की खरीद के लिए 35,000 करोड़ रुपये की निविदा जारी की थी, जो 2018 से योजना में है। अधिकारी ने कहा, %माल ढुलाई बढने् को लेकर हमारा बजट अनुमान रूढ़िवादी है। हम इस बार ढुलाई के आंकड़ों पर जोर दे रहे हैं। हम चाहते हैं कि इस साल और मध्यावधि के हिसाब से आंकड़ों में सुधार हो। बजट के मुताबिक रेलवे का माल ढुलाई सालाना लक्ष्य 2022-23 में बढ़ाकर 147.5 करोड़ टन करना है, जिससे 1.65 लाख करोड़ रुपये राजस्व आने का अनुमान है। राष्ट्रीय रेलवे योजना (एनआरपी) के तहत केंद्र सरकार केंद्र सरकार माल ढुलाई के आंकड़ों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी करने को इच्छुक है और 2030 तक ढुलाई में हिस्सेदारी बढ़ाकर 45 प्रतिशत तक करने की योजना है। सरकार के अनुमान के मुताबिक 2026 तक माल ढुलाई की कुल मांग 530 करोड़ टन होगी और 2031 तक 822 करोड़ टन हो जाएगी। इस वित्त वर्ष में 141.8 करोड़ टन माल ढुलाई की जरूरत होगी, जिससे कि 2031 तक एनआरपी का 360 करोड़ टन ढुलाई का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

टोल टैक्स से बचाएगा गूगल मैप्स : गूगल मैप्स ने पेश किया टोल प्राइज फीचर, रोड ट्रिप पर बचा पाएंगे पैसे

नई दिल्ली

गूगल ने गूगल मैप्स के लिए नया फीचर पेश किया है। इसकी मदद से अब यूजर्स अपनी ट्रिप शुरू करने से पहले टोल पर लगने वाली एक्सपेक्टेड प्राइस का पता लगा पाएंगे और टोल-फ्री रूट्स की पहचान भी कर पाएंगे। जहां एक्सपेक्टेड टोल की कीमतों से उनकी ट्रिप पर आने वाले टोल प्लाजा पर लगने वाले कुल चार्ज का पता चलेगा वहीं टोल-फ्री रूट्स से आपको ऐसे रूट बताए जाएंगे जिनमें टोल नाका नहीं होगा। इस तरह आप बिना टोल दिए अपने डेस्टिनेशन तक पहुंच सकते हैं। इसके साथ ही आईओएस यूजर्स के लिए पिन्ड ट्रिप विजेट का ऑप्शंस भी लेकर आया है। आईओएस के लिए गूगल मैप्स को होम

स्क्रीन पर पिन्ड विजेट के साथ भी अपडेट किया गया है। वहीं एपल वॉच से आप सीधे नेविगेशन चेक कर सकते हैं। यह अपडेट आईओएस पर गूगल मैप्स के साथ सिरी और शॉर्टकट्स को इंट्रीग्रेट करेगा, जो इस साल के अंत में आने वाला है।

भारत, इंडोनेशिया और अमेरिका जैसे देशों में मिलेंगे फीचर

गूगल ने बताया कि भारत, इंडोनेशिया, जापान और अमेरिका में यूजर्स इस महीने के अंत में गूगल मैप्स ऐप पर टोल प्राइजेज को एक्सेस कर सकेंगे। टोल प्राइज फीचर लोकल टोलिंग ऑफिसर की जानकारी पर निर्भर करेगी। गूगल जल्द ही दूसरे देशों में टोल प्राइज फीचर का सपोर्ट लेकर आएगा।

2000 से ज्यादा टोल रोड पर देगा डिटेल्स

टोल प्राइज फीचर यूजर्स को कई फैक्टर को ध्यान में रखते हुए अपने रूट पर टोल की लागत को कैलकुलेट कर पाएंगे, जिसमें टोल पास, सप्ताह का दिन, दिन का समय आदि जैसे पेमेंट मेथड शामिल हैं। कंपनी का कहना है कि गूगल मैप्स 2,000 से ज्यादा टोल रोड पर डिटेल्स देगा।

टोल फ्री रूट का पता लगाने में करेगा मदद:- जो यूजर्स पूरी तरह से टोल से बचना चाहते हैं, उनके लिए गूगल मैप टोल-फ्री रूट को देखने का ऑप्शंस देता रहेगा। कंपनी के अनुसार, यूजर्स रूट ऑप्शंस तक पहुंचने के लिए ऐप के टॉप पर तीन डॉट्स पर टैप कर सकते हैं और वैकल्पिक रूट तक पहुंचने के लिए अवॉइड टोल के ऑप्शन को चुन सकते हैं।

आईओएस यूजर्स के लिए नया अपडेट:- टोल प्राइज फीचर के साथ, कंपनी ने आईओएस यूजर्स के लिए एक नए अपडेट की भी घोषणा की जिसे पिन्ड ट्रिप विजेट कहेंगे। यह फीचर यूजर्स को गूगल मैप्स ऐप पर गो टैब में पिन की गई ट्रिप को दिखाएगा। यह अपडेट बेहतर एपल वॉच सपोर्ट भी लाएगा, जिसमें स्मार्टवॉच पर ऑटोमैटिकली नेविगेट करने का फीचर भी शामिल है।

एलआईसी आईपीओ अपडेट : मई में आ सकता है आईपीओ

कम से कम दो साल तक एलआईसी में हिस्सेदारी नहीं घटाएगी सरकार

नई दिल्ली

लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का आईपीओ आने के बाद सरकार कंपनी में कम से कम अगले दो सालों तक अपनी हिस्सेदारी कम नहीं करेगी। अगले महीने यानी मई में एलआईसी का आईपीओ आना है, जिसके बाद कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग होगी, ऐसे में सरकार अपनी हिस्सेदारी कम नहीं करना चाहती क्योंकि इससे आईपीओ में पैसा लगाने वालों के रिटर्न पर असर पड़ सकता है।

5 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही सरकार

सरकार एलआईसी में लगभग 31.6 करोड़ या 5 फीसदी शेयर बेचकर 65,000 करोड़ रुपए जुटा सकती है। हालांकि सरकार 5 फीसदी से कुछ ज़्यादा हिस्सा बेचने पर विचार कर सकती है। ये आईपीओ भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

दिसंबर में एलआईसी को हुआ 234.9 करोड़ का प्रॉफिट

दिसंबर तिमाही में एलआईसी का

नेट प्रॉफिट बढ़कर 234.9 करोड़ पर पहुंच गया था। दिसंबर 2020 में कंपनी का नेट प्रॉफिट महज 90 लाख रहा था। फर्स्ट ईयर प्रीमियम बढ़कर 8748.55 करोड़ रुपए पर पहुंच गया जो दिसंबर 2020 तिमाही में 7957.37 करोड़ रुपए था। रिन्यूअल प्रीमियम बढ़कर 56822 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दिसंबर तिमाही में टोटल प्रीमियम 97761 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 97008 करोड़ रुपए था।

मई की शुरुआत में आ सकता है आईपीओ

केंद्र सरकार इस साल मई की शुरुआत में लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन का इनिशियल पब्लिक ऑफर ला सकती है। सरकार का प्लान मार्च 2022 तक आईपीओ लॉन्च करने का था, लेकिन रूस-यूक्रेन जंग के कारण बाजार के सेंटीमेंट निगेटिव हो गए और सरकार वेट एंड वॉच मोड में चली गई। अब जब दोबारा मार्केट सुधरा और सेंटीमेंट पॉजिटिव हुए तो सरकार आईपीओ लाने की तैयारी में फिर से जुट गई है।

सबसे बड़ा आईपीओ होगा

एलआईसी का इश्यू भारतीय शेयर बाजार में अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। लिस्ट होने के बाद एलआईसी का मार्केट वैल्युएशन आरआईएल और टीसीएस जैसी टॉप कंपनियों के बराबर होगा। इसके पहले Paytm का इश्सू सबसे बड़ा था और कंपनी ने पिछले साल आईपीओ से 18,300 करोड़ रुपए जुटाए थे।

एडवर्ब लगाएगी सबसे बड़ी वैश्विक मोबाइल रोबोट फैक्टरी

नई दिल्ली

नोएडा स्थित एडवर्ब टेक्नोलॉजीज दुनिया की सबसे बड़ी मोबाइल रोबोटिक्स फैक्टरी लगा रही है, जिसकी क्षमता हर साल 5 लाख रोबोट विनिर्माण की होगी। यह अपने आकार के हिसाब से इस क्षेत्र में चीन की बड़ी कंपनियों को टक्कर देगी। कंपनी जटिल रोबोट बनाने में भारत की सॉफ्टवेयर महारत का इस्तेमाल कर रही है ताकि वैश्विक बाजार को आपूर्ति की जा सके और वैश्विक प्रतिस्पर्धी कंपनियों को टक्कर दी जा सके। एडवर्ब के पीछे रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड खड़ी है, जिसने इस कंपनी में 54 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 13.2 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। एडवर्ब टेक्नोलॉजीज की स्थापना 2016 में हुई थी। इसने अगले पांच साल में दुनिया के शीर्ष पांच मोबाइल रोबोटिक्स विनिर्माताओं में शुमार होने का लक्ष्य तय किया है। फिलहाल कंपनी के ज्यादातर एप्लीकेशन बढ़ते मैटेरियल हैंडलिंग क्षेत्र में हैं। लेकिन एडवर्ब ने अगले डेढ़ साल में तेजी से बढ़ते दो अन्य क्षेत्रों- नॉन-इन्वेसिव रोबोटिक्स सर्जरी और रोबोट की सहायता से हवाई अड्डों पर सामान को संभालने के क्षेत्र में उतरने की योजना बनाई है। यह एक डॉक्टर की निगरानी में अल्ट्रासाउंड जांच में रोबोटिक्स के इस्तेमाल के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के साथ प्रायोगिक परीक्षण कर चुकी है। मोबाइल रोबोट निर्देशों का पालन कर सकते हैं और चल-फिर सकते हैं। इनका वैश्विक बाजार इस समय करीब 5 अरब डॉलर है, जिसमें तेजी से बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

महंगाई की मार : 16 दिन में 14वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, 10 रुपए बढ़ चुकी है कीमतें

आगे भी जारी रह सकती है तेजी

नई दिल्ली

देश में आज 16वें दिन 14वीं बार पेट्रोल-डीजल की कीमत में बढ़ोतरी की गई है। राजधानी दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत में 80-80 पैसी की वृद्धि हुई है। अब दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत 105.41 रुपए/लीटर और डीजल 96.67 रुपए/लीटर हो गई है। देश में 16 दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमत 9.96 रुपए बढ़ी है। मार्च 2022 में देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे।

चुनावी नतीजे आने के बाद 22 मार्च से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ना शुरू हुआ था। पेट्रोलियम मंत्री ने दामों की बढ़ोतरी पर दलील देते हुए कहा है कि पूरी दुनिया में पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़े हैं। क्रिसिल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के नुकसान की भरपाई के लिए पेट्रोल-डीजल की कीमत में 15 से 20 रुपए का इजाफा करने की जरूरत थी। इस लिहाज से देखें तो पेट्रोल-डीजल की कीमत में अभी और 10 रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। आज से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस यानी CNG के दाम फिर बढ़ा दिए गए हैं। इसी के साथ दिल्ली में सीएनजी के दाम 2.5 रुपए की बढ़त के बाद 66.61 रुपए प्रति किलो कर दिए गए हैं। वहीं दिल्ली ही नहीं नोएडा में भी ष्टहृत्र के दाम बढ़ गए हैं।

महंगाई बिगाड़ रही आपका बजट : एक महीने में दाल-दलहन 16 फीसदी तक महंगे हुए, जारी रह सकती है तेजी

नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था खुलने के साथ ही दालें महंगी होने लगी हैं। बीते एक माह में दाल-दलहन के भाव 16 फीसदी तक बढ़े हैं। स्कूल-कॉलेज और हॉस्टल खुलने साथ ही पर्यटन बढ़ने से होटल-रेस्टोरेंट की मांग बढ़ी है। इस बीच डीजल के दाम बढ़ने से लॉजिस्टिक खर्च भी बढ़ा है। दूसरी तरफ महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे बड़े उत्पादक राज्यों में अरहर (तुअर) की फसल 30 फीसदी तक कम उतरने की आशंका जताई जा रही है। बीते एक महीने में सबसे ज्यादा 16 फीसदी काबुली चने के भाव बढ़े हैं। अभी यह 110 रुपए प्रति किलो तक है, जो एक माह पहले 95 रुपए प्रति किलो था। देसी चना भी 5,000 रुपए से बढ़कर 5,100 रुपए प्रति क्विंटल हो गया है। इस बीच दालें 7-10 फीसदी महंगी हुई हैं। अरहर (तुअर) दाल 125 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई, जबकि

सबसे सस्ती बिकने वाली चना दाल 80 रुपए प्रति किलो तक बिक रही है।

मार्च-मई कंज्यूमर स्टॉकिंग का सीजन

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के दाल व्यापारियों के मुताबिक, अरहर एकमात्र ऐसी दाल है जिसका उपभोक्ता भी स्टॉक रखते हैं। मार्च से मई के बीच इसकी कंज्यूमर स्टॉकिंग चलती है। इसके चलते सेंटिमेंट अमूमन मजबूत रहता है।

बड़े उत्पादक राज्यों में अरहर एमएसपी से ऊपर

प्रमुख अरहर उत्पादक राज्यों-महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और गुजरात में इन दिनों औसत मॉडल मंडी प्राइस 6,400-6,500 रुपए प्रति क्विंटल चल रहे हैं, जबकि (न्यूनतम समर्थन मूल्य) एमएसपी 6,300 रुपए प्रति क्विंटल है।

सरकार को भी कम उत्पादन का अनुमान सीजन 2021-22 के लिए अपने दूसरे अनुमान में सरकार ने 40 लाख टन अरहर उत्पादन का अनुमान लगाया है। पिछले सीजन में 4.32 लाख टन अरहर का उत्पादन हुआ था। ट्रेडरों के मुताबिक, इस साल 20 फीसदी कम उत्पादन होगा।

किसानों ने कॉटन की खेती बढ़ाई, दलहन की घटाई

कमोडिटी एनालिस्ट हरीश सेठ के मुताबिक, हाल के सालों में दलहन के भाव करीब-करीब स्थिर रहे हैं। इसके उलट कॉटन के दाम तेजी से बढ़े हैं। इसके चलते महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के किसानों ने इस साल कॉटन की खेती बढ़ाई है। नतीजतन इन राज्यों में अरहर और उड़द की खेती 25-30 फीसदी तक घटी है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)